(An India Newspaper)

ELARIS CONSULTING
Beyond The Visible

यूथ ऑरा
YOUTH AURA
इनोवेशन.ट्रांसफॉर्मेशन.ऑटोमेशन

(Sponsored by)
SPYeye SOLUTIONS
TRANSFORMATION AUTOMATION INNOVATION

वर्ष:01 | अंक : 14 | मंगलवार, 11-17 नवम्बर 2025 | हिन्दी साप्ताहिक | मुल्य 02 रुपये | मुख्य सम्पादकः लव जैन | RNI. NO.: HRBIL/25/A1127 | पृष्ठः 8

संसद का विंटर सेशन 1 से 19 दिसंबर तक

- 15 बैठकें होंगी, एसआईआर पर फिर हंगामे के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र (विंटर सेशन) 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन में पूरे सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। इससे पहले 21 जुलाई से 21 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र चला था। सत्र के पहले दिन राज्यसभा के तत्कालीन उपसभापति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। फिर पूरा सत्र बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया था। मानसून सत्र में कुल 21 बैठकें हुईं। लोकसभा में 120 घंटे चर्चा का

समय निर्धारित था, लेकिन सिर्फ 37 घंटे कार्यवाही चली। राज्यसभा में सिर्फ 41 घंटे चर्चा हुई। लोकसभा-राज्यसभा में कुल 27 बिल पास हुए। गिरफ्तार पीएम-सीएम को हटाने वाला संविधान संशोधन बिल सबसे चर्चा में रहा। इसे जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव पारित हुआ। संसद के शीतकालीन सत्र में इंडिया ब्लॉक मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग ला सकता है। 18 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई थी। बैठक के बाद कांग्रेस, टीएमसी, सपा, डीएमके, राजद समेत 8 विपक्षी दलों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा- संसद के मौजूदा सत्र (मानसून सत्र) में 3 दिन बाकी हैं।

बिहार चुनाव की आखिरी सभा, शपथ ग्रहण में आऊंगा

- बेतिया में मोदी बोले-हमें सिर्फ सीटें नहीं जीतनी है, हर बूथ जीतना है
- राहुल गांधी पर तंज, कुछ लोग बिहार चुनाव में डूबने की प्रैक्टिस कर रहे

बेतिया (एजेंसी)। पीएम मोदी ने बेतिया की सभा में कहा, बेतिया में मेरे बिहार के चुनाव अभियान की समापन रैली है। इस चुनाव में मेरी आखिरी सभा है। 11 नंवबर को हमें सिर्फ सीटें नहीं जीतनी है, हर बूथ जीतना है। मैं जीत के विश्वास के साथ जा रहा हूं। अब एनडीए के शपथ ग्रहण में आऊंगा। चंपारण की इस धरती का इतिहास में बड़ा महत्व है। यही वो धरती है, जहां गांधी जी को महात्मा की उपाधि मिली थी। आज जब हम विकसित बिहार का संकल्प लेकर चले हैं, तो इस धरती का सहयोग अहम है।

बिहार को जंगलराज से बचाना आपकी जिम्मेदारी है- जगंलराज वालों ने सत्याग्रह की इस भूमि को लठैतों का

गढ़ बना दिया था। महिलाओं का घर से निकलना मुश्किल था। जहां कानून का राज खत्म होता है, वहां सबसे ज्यादा परेशान गरीबों, पिछड़ों को होती है। कानून राज खत्म होगा तो रंगदारी शुरू होगी। आपने नीतिश कुमार का सुशासन देखा है, इसे जंगलराज से बचाए रखना आपकी जिम्मेदारी है। जंगलराज को हराने का मतलब सिर्फ कांग्रेस-राजद को हराना नहीं है। इस मानसिकता को भी हराना होगा। जंगलराज का परिवार बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार है, दिल्ली का नामदार देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। इन लोगों ने लाखों करोड़ का घोटाला किया है।

सीतामढ़ी में पीएम बोले-

- **राजद वाले बच्चों को रंगदार बना रहे-** इससे पहले उन्होंने सीतामढ़ी में सभा को संबोधित करते हुए कहा, ये चुनाव बिहार का भविष्य तय करेगा। इसलिए ये चुनाव बहुत अहम है। जंगलराज वालों के प्रचार के गाने सुने हैं आपने। छोटे बच्चे मंच से कह रहे हैं, हमें रंगदार बनना है। क्या बिहार के बच्चों को रंगदार बनना चाहिए या डॉक्टर- इंजीनियर बनना चाहिए। बिहार में स्टार्टअप के सपने देखने वाले चाहिए, हैंडसअप कहने वाले नहीं चाहिए। राजद वालों के प्रचार गाने सुनकर आप कांप जाएंगे। हम बच्चों के हाथों में लैप टॉप दे रहे हैं। राजद वाले कट्टा-दुनाली दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि, विकसित भारत के लिए बिहार का विकसित होना जरूरी है। आरजेडी और कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकते हैं। इन लोगों ने बिहार पर कई सालों तक राज किया। इन लोगों ने आपके साथ सिर्फ विश्वासघात किया है। जहां कट्टा, क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है। जहां कटुता बढ़ाने वाली आरजेडी और कांग्रेस हो, वहां समाज में सद्भाव मुश्किल होता है। जहां आरजेडी और कांग्रेस का कुशासन हो, वहां विकास का नामो-निशान नहीं होता है। जहां करप्शन हो, वहां सामाजिक न्याय नहीं मिलता, ऐसे लोग कभी भी बिहार का भला नहीं कर सकते। मां सीता की भूमि पर आया हो, ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुझे 6 साल पहले का वाकया याद आता है। 8 नवंबर 2019 को मैं यहां आया था। अगले दिन करतारपुर कॉरिडोर के लिए पंजाब के लिए निकलना था। उसी दिन राम मंदिर पर फैसला भी आना था। मैं मन ही मन में सीता माता से प्रार्थना कर रहा था कि फैसला राम मंदिर के पक्ष में आए। सीता मइया की धरती से मांगी प्रार्थना कभी खाली नहीं जाती। ऐसा ही हुआ सुप्रीम कोर्ट ने रामलला के पक्ष में ही फैसला दिया।

सावधान! 4-5 डिग्री और गिरने वाला है तापमान

- बहुत तेजी से बढ़ेगी ठंड; बारिश की भी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम तेजी से करवट ले रहा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में निचले क्षोभमंडल स्तर पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र सक्रिय है। हरियाणा, असम और कर्नाटक के आसपास के इलाके भी इसकी चपेट में हैं। इसके प्रभाव से तमिलनाडु में 8 से 9 नवंबर तक बारिश होगी। केरल और माहे में 8 से 10 नवंबर तक अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बरसात हो सकती है। गरज के साथ बौछारें पड़ने की भी संभावना है, जिसमें कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। राजस्थान, पंजाब, जम्मू, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम बना हुआ है। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में यह सामान्य से 2-5 डिग्री सेल्सियस कम है। अगले 6-7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम और इससे सटे मध्य भारत के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-5 डिग्री कम रहने का अनुमान है। आगामी 48 घंटों में मध्य और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट संभव है। इसके बाद 4-5 दिनों तक कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। पूर्वी भारत में अगले 3 दिनों में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के बाद अगले 3-4 दिनों में कोई खास बदलाव

नहीं होगा। जम्मू-कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में रात का तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में मौसम की सबसे सर्द रात दर्ज की गई, जहां न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। घाटी में औसत तापमान एक से तीन डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हाल ही में हुई हिमपात के कारण घाटी में तापमान में गिरावट आई है।

ईवीएम से निकली वीवीपैट पर्चियां सड़क पर फेंकी मिलीं

- आरजेडी का गंभीर आरोप-'चुनाव आयोग' पर उठाए सवाल

समस्तीपुर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक गंभीर आरोप लगाते हुए एक वीडियो जारी किया है। आरजेडी ने दावा किया है कि चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी करने की कोशिश की गई है। आरजेडी की ओर से जारी 27 सेकंड के वीडियो में समस्तीपुर के सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र के केएसआर कॉलेज के पास सड़क पर भारी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से निकलने वाली वीवीपैट (वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) पर्चियां फेंकी हुई मिली हैं। आरजेडी ने इस घटना को लेकर चुनाव आयोग पर सीधा सवाल उठाया है। पार्टी ने पूछा है कि कब, कैसे, क्यों किसके इशारे पर इन पर्चियों को फेंका गया।

घाटी के कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश हो गई नाकाम

सेना की सख्ती, 2 आतंकियों को कर दिया ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के साथ घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया। साथ ही, जवानों ने 2 अज्ञात आतंकवादियों को मारा गिराया है। सेना के

श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि खुफिया एजेंसियों से इनपुट मिला था। इसके आधार पर कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए अभियान शुरू किया गया। सेना ने एक्स पर पोस्ट में कहा, सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी। इस दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। फिलहाल इलाके की तलाशी जारी है। वहीं, श्रीनगर में पुलिस ने शुक्रवार को तीन संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद जब्त कर आतंकी साजिश नाकाम कर दी गई।

एमपी में बच्चों की थाली तक चुरा ली गई है

- राहुल ने श्योपुर का रद्दी पर खाने का वीडियो पोस्ट किया

पचमढ़ी रवाना होने से पहले एमपी सरकार पर बोला हमला

पचमढ़ी (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दो दिन पचमढ़ी में रहेंगे। राहुल गांधी पचमढ़ी के रविशंकर भवन में एमपी कांग्रेस के चुनिंदा नेताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद होटल हाईलैंड में जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में एक सत्र को संबोधित करेंगे। नाइट स्टे पहाड़ी पर बने रविशंकर भवन (मुख्यमंत्री आवास) में होगा। राहुल का पचमढ़ी का दौरा लगभग 19 घंटे का रहेगा। रविवार सुबह 10.20 बजे हेलीकॉप्टर से भोपाल के लिए रवाना होंगे। शनिवार शाम 4.30 बजे होटल हाईलैंड जाते समय वे गांधी चौक

पर रुककर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इस गांधी प्रतिमा का अनावरण राजीव गांधी ने किया था। राहुल, गांधी परिवार के तीसरे सदस्य होंगे जो पचमढ़ी में गांधी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी पचमढ़ी आ सकते हैं। खड़गे के नाम से भी रविशंकर भवन में कमरा बुक किया गया है। जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में राहुल गांधी के शामिल होने से पहले पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, सहित तमाम दिग्गज नेता पचमढ़ी पहुंच जाएंगे। राहुल गांधी ने दिल्ली से रवाना होने पहले अपने एक्स अकाउंट पर श्योपुर के विजयपुर में बच्चों के रद्दी पर मिड-डे मील खाने वाला वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- ये वही मासूम बच्चे हैं जिनके सपनों पर देश का भविष्य टिका है, और उन्हें इज्जत की थाली तक नसीब नहीं। राहुल ने आगे लिखा- 20 साल से ज्यादा की बीजेपी सरकार...और बच्चों की थाली तक चुरा ली गई। इनका विकास बस छलावा है। सरकार में आने का असली राज तो व्यवस्था है। शर्म आनी चाहिए ऐसे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को जो देश के बच्चों के साथ ऐसा करते हैं।

पुणे लैंड डील में पार्थ पवार की बढ़ गई हैं मुश्किलें

- सौदा कैंसल करने के लिए भी देने होंगे 21 करोड़, रजिस्ट्रार ऑफिस ने दिया नोटिस

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे पार्थ पवार को दोहरा झटका लगा है। रजिस्ट्रार ऑफिस ने 40 एकड़ की सरकारी जमीन का सौदा कैंसल करने के लिए कंपनी अमेडिया इंटरप्राइजेज एलएलपी को 21 करोड़ रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और जुर्माना भरने का आदेश दिया है।

बता दें कि इसमें पार्थ पवार की 99 पर्सेंट हिस्सेदारी है। कंपनी पर आरोप है कि उसने 1800 करोड़ की मार्केट वैल्यू की जमीन 300 करोड़ में खरीदी। इस मामले में पहले ही दो एफआईआर दर्ज की जा चुकी है, जिसमें दिग्विजय पाटिल और शीतल तेजवाणी को आरोपी बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक 40 एकड़ की जमीन दलित आरक्षित 'महार वतन' की है। 1959 में सरकार ने 15 साल के लिए लीज पर यह जमीन बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया को दी थी। 1999 में लीज की यह अवधि 2038 तक बढ़ा दी गई।

आरएसएस के पथ संचलन पर कर्नाटक सरकार का यू-टर्न!

कोर्ट में कहा-वह चित्तपुर शहर में पथ संचलन पर विचार करेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को उच्च न्यायालय को सूचित किया कि वह चित्तपुर शहर में पथ संचलन आयोजित करने

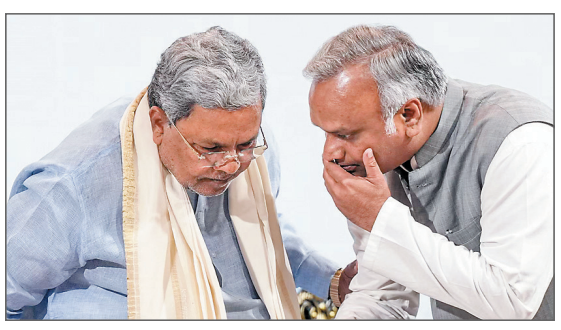

के लिए आरएसएस के कलबुर्गी संयोजक द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। उच्च न्यायालय ने 30 अक्टूबर को आरएसएस के कलबुर्गी संयोजक अशोक पाटिल को निर्देश दिया था कि वह कलबुर्गी जिले के चित्तपुर शहर में प्रस्तावित पथ संचलन पर चर्चा करने के लिए पांच नवंबर को महाधिवक्ता कार्यालय में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक करें। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणा श्याम और महाधिवक्ता (एजी) शशि किरण शेट्टी को भी सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने के लिए बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस एमजीएस कमल के समक्ष सुनवाई के दौरान अरुणा श्याम ने अदालत को बताया कि पांच नवंबर को महाधिवक्ता के नेतृत्व में हुई बैठक बहुत बेहतर ढंग से संपन्न हुई। इसमें सभी पक्षों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमने अपना पक्ष रखा है और चर्चा रचनात्मक रही। महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि राज्यभर में इसी तरह के मार्च के लिए 11 आवेदन लंबित हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी इन सभी पर विचार करेंगे और कुछ शर्तों के साथ अनुमति प्रदान करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम एक बार के उपाय के रूप में सभी को अनुमति देंगे।

बिहार में एनडीए की लहर नहीं, कांटे की है टक्कर

- बिहार चुनाव को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा दावा

कहा-चुनाव के बाद नीतिश को किनारे कर देगी बीजेपी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का मतदान संपन्न होने और दूसरे चरण की तैयारी के बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एनडीए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। एक निजी चैनल को दिए खास इंटरव्यू में मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि बीजेपी और जेडीयू का रिश्ता सिर्फ सत्ता के लिए है। चुनाव

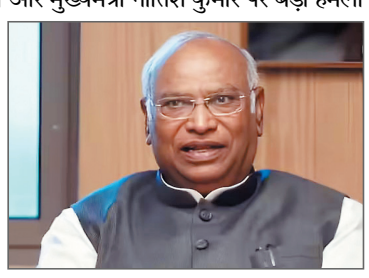

के बाद नीतिश कुमार को 'किनारे' कर दिया जाएगा। पहले चरण के मतदान के बाद महागठबंधन की स्थिति पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि एनडीए की लहर है, यह सिर्फ उनका भ्रम है। उन्होंने दावा किया कि इस बार एनडीए और महागठबंधन में टक्कर कांटे की है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस और गठबंधन मजबूती से लड़ रहे हैं।

- **राहुल के 'वोट चोरी' वाले बयान का समर्थन-** राहुल गांधी के वोट चोरी वाले बयान का समर्थन करते हुए खरगे ने कहा कि राहुल गांधी जो बोलते हैं, वह आंकड़ों के साथ बोलते हैं। उन्होंने कहा कि फर्जी वोटिंग के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी जीतती है, तो वो फ्रॉड करके जीतती है। चुनाव आयोग को इस पर काम करना चाहिए, लेकिन वो उल्टा राहुल जी को ही चुनौती दे रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेजस्वी यादव मंच से स्थानीय मुद्दे उठा रहे हैं।

सेना ने दिखाई भविष्य की तैयारियों की झलक

- वीडियो जारी कर सेना ने बताया-कितनी तैयार है आर्मी

अत्याधुनिक हथियारों व टेक्नोलॉजी की झलक दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें भविष्य के लिए उसकी तैयारियों की एक झलक दिखाई गई है। इस वीडियो में दिख रहा है कि हमारी सेना किस तरह से अत्याधुनिक हथियारों से लैस है, उसके पास बेहतरीन टेक्नोलॉजी है और वह कितने भी दुर्गम क्षेत्रों में भी आसानी से पहुंचने में सक्षम हो चुकी है। दरअसल, रक्षा क्षेत्र में

भारत की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है और सरकार की नीति भी है कि सशस्त्र सेनाओं को आधुनिक जमाने के युद्ध के लिए तैयार रखा जाए और नया वीडियो उसी का एक उदाहरण है। सेना मुख्यालय में एडिशनल डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ पब्लिक इंफॉर्मेशन की ओर से एक्स पर डाले गए वीडियो में ऐसे अत्याधुनिक हथियारों और आधुनिक सैन्य वाहनों की झलक दिखाई गई है, जिसमें इसकी बढ़ती क्षमता का प्रमाण मिलता है। वीडियो में मॉडर्न टैक्टिकल व्हीकल, प्रिसिजन वेपन सिस्टम और नेटवर्क टेक्नोलॉजी की जुगलबंदी दिखाई गई है। इसमें दिखाया गया है कि भविष्य के लिए सेना किस तरह से तैयार है और कैसे कमर कस रही है।

ऑनलाइन छेड़छाड़ व साइबर उत्पीड़न के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर पुलिस ने महिलाओं की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है, जो अपनी पूर्व महिला कर्मचारी की फोटो लगाकर फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट से उसकी बदनामी कर रहा था। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने शनिवार को बताया कि आरोपित की पहचान मधुबनी बिहार निवासी मोहम्मद साहिद (37) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल मोबाइल फोन बरामद किया है। गोयल ने बताया कि 23 सितंबर को साइबर थाना पुलिस को पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी तस्वीर का इस्तेमाल कर एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया है। उस अकाउंट से अपमानजनक पोस्ट की जा रही थी और उसके दोस्तों व फॉलोअर्स को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जा रही थी। इससे उसकी छवि खराब करने और मानसिक उत्पीड़न करने का प्रयास किया जा रहा था। पुलिस पीड़िता के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच टीम ने फर्जी अकाउंट के डिजिटल फुटप्रिंट का विश्लेषण किया और इंस्टाग्राम/मेटा प्लेटफॉर्म से तकनीकी जानकारी प्राप्त की। सर्विलांस में पता चला कि यह अकाउंट आईएमटी मानेसर (हरियाणा) क्षेत्र से संचालित किया जा रहा है। इसके बाद इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक की देखरेख में कई स्थानों पर छापेमारी की। लगातार तकनीकी निगरानी और प्रयासों के बाद पुलिस ने आरोपित मोहम्मद साहिद को मानेसर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित ने अपना अपराध स्वीकार किया। उसने बताया कि पीड़िता पहले उसके यहां काम करती थी और वेतन को लेकर उसका विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते उसने बदला लेने की नीयत से फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और उसमें महिला की पुरानी तस्वीर लगाकर अशोभनीय व आपत्तिजनक पोस्ट डालनी शुरू कीं। उसने स्वीकार किया कि उसका उद्देश्य महिला की सामाजिक छवि धूमिल करना था। पुलिस ने आरोपित के मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है। जिसमें वह फर्जी अकाउंट अब भी सक्रिय पाया गया। जांच में पता चला है कि आरोपित मूलतः बिहार के मधुबनी जिले का निवासी है। वह इंटरमीडिएट तक शिक्षित है और हरियाणा के मानेसर में एक फैक्टरी में काम करता है। वहीं पर पीड़िता भी कुछ समय के लिए कार्यरत रही थी। आर्थिक विवाद के बाद आरोपित ने उसे मानसिक रूप से परेशान करने के लिए यह कदम उठाया। पुलिस अब उसके डिजिटल उपकरणों की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने किसी अन्य महिला या व्यक्ति के खिलाफ भी इसी तरह की हरकत तो नहीं की।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास झुग्गियों में लगी आग पर काबू, राहत कार्य जारी : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास जेजे क्लस्टर की झुग्गियों में शुक्रवार देर रात लगी आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और प्रभावित क्षेत्र में राहत एवं पुनर्वास कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री शनिवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रशासन ने तत्परता से सभी आवश्यक कदम उठाए और आग पर नियंत्रण के लिए अतिरिक्त टीमें लगाई गई। प्रभावित लोगों के लिए भोजन-पेयजल की व्यवस्था की गई है। अस्थायी आश्रय स्थल स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि स्थायी राहत केंद्र, रिठाला कम्युनिटी सेंटर में संचालित है। उन्होंने कहा कि 24M7 कैट्स एंबुलेंस और मेडिकल टीमें तैनात हैं। दिल्ली नगर निगम द्वारा मलबा हटाने का कार्य और राजस्व विभाग द्वारा प्रभावित परिवारों का सत्यापन कार्य जारी है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के रोहिणी इलाके में रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास झुग्गी बस्ती में शुक्रवार रात आग लग गई। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य झुलस गया। दमकल अधिकारी एसके दुआ ने बताया कि दमकल विभाग को रिठाला मेट्रो स्टेशन और दिल्ली जल बोर्ड के बीच स्थित झुग्गियों में आग लगने सूचना पर गाड़िया मौके पर भेजी गई। कुल 29 दमकल गाड़ियां मौके पर हैं। दमकल कर्मियों के प्रयासों से आग पर तड़के तक काबू पा लिया गया। हादसे में राजेश (30) झुलस गया, जिसे सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मुन्ना (30) का शव मिला है।

ऑफिस समय बदलेगा, पार्किंग शुल्क बढ़ेगा — प्रदूषण नियंत्रण के नए कदमों पर दिल्ली सरकार तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्दियों में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने व्यापक नियंत्रण योजना लागू करनी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में प्रशासनिक बैठकों के बाद कार्यालय समय में बदलाव, पार्किंग शुल्क में वृद्धि और पुराने वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध जैसे कई उपायों को मंजूरी दी गई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शनिवार सुबह दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 350 से ऊपर दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। दोपहर तक बवाना और द्वारका क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक रही, जहां हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' स्तर तक पहुंच गई।

कार्यालय समय में बदलाव का निर्णय

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार और नगर निगम के कार्यालयों के कार्य समय में बदलाव किया जा रहा है ताकि यातायात के दबाव को कम किया जा सके। वर्तमान में दिल्ली सरकार के दफ्तर सुबह 9:30 से शाम 6 बजे तक और नगर निगम कार्यालय 9 से 5:30 बजे तक संचालित होते हैं। नए प्रस्ताव के अनुसार, दोनों में पर्याप्त अंतर रखते हुए यातायात का दबाव घटाने और सड़क पर वाहनों की संख्या नियंत्रित करने की योजना है।

पार्किंग शुल्क में बढ़ोतरी

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने प्रदूषण नियंत्रण के तहत पार्किंग शुल्क बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब चार पहिया वाहनों के लिए शुल्क 40 रुपये प्रति घंटा, दोपहिया वाहनों के लिए 20 रुपये प्रति घंटा और बसों के लिए 300 रुपये प्रति घंटा तय किया गया है। यह व्यवस्था ग्रैप (ग्रैप) के दूसरे चरण की समाप्ति तक लागू रहेगी। हालांकि, सड़क किनारे पार्किंग या मासिक पास धारकों को इससे छूट दी गई है।

बीएस-III वाहनों के प्रवेश पर रोक

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राजधानी में गैर-बीएस-IV मानक वाले माल वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया है। 1 नवंबर से ऐसे सभी बीएस-III और उससे नीचे के दोपहिया वाहनों को दिल्ली की सीमाओं में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस कदम का उद्देश्य वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को घटाना और प्रदूषण के स्तर में सुधार लाना है।

धूल नियंत्रण और सार्वजनिक परिवहन पर ज़ोर

सरकार ने निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण, यांत्रिक सड़क सफाई और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्रोत्साहित करने जैसे उपायों को भी सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों से कहा गया है कि प्रदूषण हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

राजधानी की हवा की गुणवत्ता में निरंतर गिरावट के बीच सरकार के ये कदम राहत की दिशा में एक बड़ा प्रयास माने जा रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इन उपायों के साथ-साथ लंबी अवधि के ढाँचागत सुधारों की भी आवश्यकता है ताकि दिल्ली को हर वर्ष 'स्मॉग सीजन' की स्थिति से मुक्त किया जा सके।

संविधान भारत की आत्मा, इसमें जीवन का दर्शन निहितः न्यायमूर्ति ए.के. गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के अति प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में गिने जाने वाले कमला नेहरू कॉलेज में युवा संगठन द्वारा 'संविधान भारत की आत्मा' विषय पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन पूर्व न्यायधीश न्यायमूर्ति ए.के. गोयल ने किया। तीन दिवसीय वार्षिक युवा संवाद ÷विमर्श 2025÷ के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित न्यायमूर्ति ए के गोयल ने कहा कि÷भारत का संविधान केवल शासन का ढांचा नहीं, बल्कि इसमें जीवन का दर्शन भी समाहित है। यह विश्व के सबसे जीवंत संविधानों में से एक है।÷ युवा संगठन द्वारा आयोजित इस वर्ष का विमर्श विषय 'संविधानः भारत की आत्मा' पर केंद्रित रहा, जिसमें देशभर से आए युवाओं, शिक्षाविदों और विचारकों ने भारतीय संविधान के मूल्यों, उसकी प्रासंगिकता और जीवंतता पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम की शुरुआत दक्षिण भारत के पारंपरिक नृत्य से हुई, जिसने भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता का सुंदर प्रदर्शन किया। इसके बाद महाराष्ट्र के लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने पूरे सभागार में उत्साह का संचार किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के उपरांत प्री-विमर्श प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विमर्श संयोजक डॉ. प्रतिभा त्यागी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वार्षिक पत्रिका 'संविधान - द सोल ऑफ भारत' का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि 'विमर्श' युवाओं को संवाद और चिंतन का अवसर देता है, जिससे वे समाज के प्रति अधिक उत्तरदायी बनते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. अशोक कुमार नागावत (कुलपति, डीएसईयू) ने युवाओं से संविधान की भावना को जीवन में अपनाने का आह्वान किया, जबकि कॉलेज की प्राचार्या प्रो. पवित्रा भारद्वाज ने कहा कि ÷संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे देश की आत्मा है।÷ कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ÷विमर्श 2025÷ भारत के युवा मस्तिष्कों को दिशा देने वाला एक सार्थक प्रयास है।

प्रदूषण से निपटने में नाकाम साबित हो रही है दिल्ली की सरकारः सुमित शर्मा

–समस्या की जड़ तक नहीं पहुंच पा रही सरकार, जनता झेल रही है जहरीली हवा का कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर राजनीतिक गलियारों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कृष्णा नगर जिला कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष सुमित शर्मा ने राजधानी में बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पर दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार को घेरते हुए कहा है कि सरकार प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या से निपटने में पूरी तरह विफल रही है।

सुमित शर्मा ने कहा कि सरकार की नीतियों में न तो स्थिरता है और न ही दूरदृष्टि। कभी कृत्रिम वर्षा की बात, तो कभी बिजली के खंभों पर पानी छिड़काव यंत्र लगाने की योजना–इन सब उपायों से स्पष्ट है कि सरकार को स्वयं यह समझ नहीं है कि समस्या की जड़ कहां है। उन्होंने कहा कि राजधानी की जनता आज जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है, जबकि सरकार अपने ही संसाधनों का सही उपयोग करने में असमर्थ साबित हो रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रदूषित हवा ने लोगों के स्वास्थ्य पर गहरा असर डाला है। अस्पतालों मंप सांस, गले और आंखों से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, परंतु सरकार अभी भी उपाय तलाशने में ही व्यस्त है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मानसून के दौरान दिल्ली सरकार जलभराव की समस्या से निपट नहीं सकी थी, उसी तरह अब वायु प्रदूषण के मोर्चे पर भी उसकी नाकामी उजागर हो रही है। सुमित शर्मा ने कहा कि दिल्ली, जो देश की राजधानी है, आज प्रदूषण के नासूर से कराह रही है। आम आदमी पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार और वर्तमान भाजपा सरकार–दोनों ही इस समस्या की जड़ तक नहीं पहुंच सकीं। सुप्रीम कोर्ट की बार-बार की चेतावनियों के बावजूद, न तो कोई ठोस नीति बनी और न ही ज़मीनी स्तर पर प्रभावी कदम उठाए गए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं और लगातार बढ़ते यातायात जाम हैं। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था आज भी अव्यवस्थित है। बसों की संख्या में लगातार कमी आई है जबकि निजी वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिसके परिणामस्वरूप राजधानी की हवा और अधिक दूषित हो गई है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पिछली और वर्तमान, दोनों ही सरकारों ने प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन अधिकांश योजनाएं केवल कागज़ी साबित हुईं। आम आदमी पार्टी सरकार ने स्मॉग टावर, बायोडीकंपोज़र और ड्रोन से मिस्ट स्प्रे जैसे प्रयोग किए, जबकि भाजपा सरकार ने क्लाउड सीडिंग जैसी महंगी परंतु विफल योजना लागू की। उन्होंने कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई हवा में उड़ गई, लेकिन हवा अब भी ज़हर उगल रही है।

सुमित शर्मा ने बताया कि 14 अक्टूबर से दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। पराली जलाने, निर्माण कार्यों और वाहनों के धुएं ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। राजधानी के 13 प्रमुख प्रदूषण हॉटस्पॉट पर वायु गुणवत्ता 'गंभीर' स्तर पर है, जबकि विंटर एक्शन प्लान पूरी तरह असफल साबित हुआ है।

उन्होंने अंत में कहा कि प्रदूषण के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, परंतु भाजपा सरकार अपनी पूर्व की गलतियों से सबक लेने को तैयार नहीं दिखती। जनता उम्मीद कर रही थी कि इस बार सख्त और ठोस कदम उठाए जाएंगे, लेकिन सरकार ने केवल बयानबाज़ी तक खुद को सीमित कर लिया है। सुमित शर्मा ने कहा कि यदि प्रदूषण नियंत्रण के लिए ईमानदार और दीर्घकालिक नीति नहीं बनाई गई, तो आने वाले वर्षों में दिल्ली की हवा सांस लेने योग्य भी नहीं बचेगी।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती पर समारोहों का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया है कि इस साल लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पूरे देश के साथ दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र में भी पदयात्राएं निकाली जा रही हैं। 9 नवंबर को संगम विहार में सावित्री बारात घर बांध रोड से पदयात्रा आरंभ होगी। यह पदयात्रा प्रातः 8 बजे आरंभ होगी और लगभग दो घंटे में अपनी दूरी तय करेगी। 16 नवंबर और 23 नवंबर को भी पदयात्राएं निकाली जाएंगी। 16 नवंबर को महरौली जिला में पदयात्रा होगी जोकि साकेत डीएम आफिस से आरंभ होगी और कुतुब मीनार तक जाएगी। इसी प्रकार 23 नवंबर की पदयात्रा का रूट सेक्टर–7 द्वारका के रामलीला मैदान से पालम के श्री दादा देव मंदिर तक होगा। प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा दक्षिणी जिला की अध्यक्ष माया बिष्ट और महरौली जिला भाजपा के अध्यक्ष रविंद्र सोलंकी भी मौजूद रहे। बिधूड़ी ने कहा कि सभी जानते हैं कि सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को हुआ था। उनकी 150वीं जन्म जयंती हम सभी के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 31 अक्टूबर को उनके जन्म दिन पर गुजरात में 26 जनवरी की तर्ज पर परेड का अवलोकन किया था। यह अवसर है उस पुरुषार्थ को नमन करने का, जिसने बिखरे हुए भारत को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का स्वरूप दिया। सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती मनाने के लिए पूरे देश में यूनिटी मार्च निकाले जा रहे हैं। इसे Sardar@150 Unity March का नाम दिया गया है। दक्षिण दिल्ली की पदयात्राएं भी उसी मार्च का हिस्सा हैं। बिधूड़ी ने इसके बारे में और विस्तार से बताते हुए कहा कि देश भर की इन पदयात्राओं के साथ अभियान का सबसे बड़ा अध्याय शुरू होगा 26 नवंबर को संविधान दिवस के दिन। उस दिन देश भर के हर जिले से 2–2 पदयात्री सरदार पटेल की जन्मभूमि करमसद से लेकर एकता के प्रतीक स्टेचू ऑफ यूनिटी केवड़िया तक 152 किलोमीटर की ऐतिहासिक पदयात्रा करेंगे। उन्होंने मीडिया से आग्रह किया कि सभी मीडिया मित्र मेरे क्षेत्र में होने वाले यूनिटी मार्च को कवर करें और इसकी खासियत, इसके बीच का जो उद्देश्य है, उसे जन–जन तक पहुंचाने में हमारा साथ दें।

'हमारे राम' का भव्य नाट्य मंचन 16 नवंबर को नोएडा में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की ख्यातनाम रंगमंच संस्था फेलिसिटी थिएटर द्वारा महाकाव्यात्मक नाटक ÷हमारे राम÷ का भव्य मंचन आगामी 16 नवंबर 2025 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा में आयोजित किया जाएगा। गौरव भारद्वाज के निर्देशन में तैयार इस अनूठे नाट्य रूपांतरण में रामायण के वे अध्याय प्रस्तुत किए जाएंगे जिन्हें अब तक किसी मंच पर इस रूप में नहीं दिखाया गया।

नाटक में हिंदी फिल्म जगत और रंगमंच के प्रसिद्ध कलाकारों का सशक्त समन्वय देखने को मिलेगा। आशुतोष राणा रावण की प्रतिष्ठित भूमिका निभाएंगे, जबकि भगवान श्रीराम की भूमिका में अभिनेता राहुल आर भूचर नज़र आएंगे। भगवान हनुमान के रूप में दानिश अख्तर, भगवान शिव के रूप में तरुण खन्ना, माता सीता के रूप में हरलीन कौर रेखी तथा सूर्य देव के रूप में करण शर्मा मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इनके साथ ही अनेक अनुभवी रंगकर्मी भी इस प्रस्तुति का हिस्सा होंगे।

फेलिसिटी थिएटर की यह प्रस्तुति देशभर के कई शहरों में हाउसफुल प्रदर्शनों के बाद अब राजधानी क्षेत्र के दर्शकों के लिए विशेष तौर पर पेश की जा रही है। यह नाट्य अनुभव अपने भव्य प्रस्तुतिकरण, शक्तिशाली संवादों, आकर्षक कोरियोग्राफी, उत्कृष्ट वेशभूषा, समृद्ध ध्वनि और अत्याधुनिक प्रकाश प्रभावों के लिए जाना जा रहा है।

इस नाटक की विशेषता यह भी है कि इसके पृष्ठभूमि संगीत में प्रसिद्ध गायकों कैलाश खेर, शंकर महादेवन और सोनू निगम की आवाज़ शामिल है। उन्होंने विशेष रूप से ÷हमारे राम÷ के लिए तैयार मूल भजनों और रचनाओं को स्वर प्रदान किए हैं, जो दर्शकों को एक भावनात्मक और दिव्य अनुभव देंगे। यह मंचन भारतीय संस्कृति, नाटक और अध्यात्म का एक अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा, जो दर्शकों को भक्ति, कला और सौंदर्य के एक नए आयाम से परिचित कराएगा।

धीरेंद्र शास्त्री सनातन हिंदू धर्म के सबसे बड़े रक्षक : राजू चंदेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगवान महर्षि वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के प्रचार महंत एवं राष्ट्रीय वाल्मीकि महामंडलेश्वर कृष्ण शाह विद्यार्थी के परम शिष्य राजू चंदेल ने कहा कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री आज के समय में सनातन हिंदू धर्म के सबसे बड़े रक्षक के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में चल रही 'सनातन हिंदू जोड़ो यात्रा' ने समाज में नई चेतना का संचार किया है। राजू चंदेल दिल्ली में आयोजित इस ऐतिहासिक यात्रा में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि जी की आरती के साथ यात्रा का शुभारंभ होना स्वयं इस बात का प्रतीक है कि सनातन धर्म सभी जातियों और समाजों को एक सूत्र में बांधने की शक्ति रखता है। बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भगवान वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा और आदर व्यक्त करने से वाल्मीकि समाज सहित समस्त सनातन समुदाय में उत्साह की लहर दौड़ गई है। चंदेल ने कहा कि आज संपूर्ण देश में सनातन समाज एकता के मार्ग पर अग्रसर है। यह यात्रा किसी भी धर्म के विरुद्ध नहीं, बल्कि सनातन धर्म की चेतना को जगाने का अभियान है। उन्होंने कहा कि जब हिंदू समाज आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होगा, तभी भारत को अखंड और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया जा सकेगा। राजू चंदेल ने सभी प्रमुख संतों, महंतों और शंकराचार्यों से आह्वान किया कि वे धीरेंद्र शास्त्री के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सनातन धर्म की रक्षा के इस अभियान में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि समाज में फैल रहे जातीय और वर्गीय भेदभाव को समाप्त करने का यह समय है, ताकि एक सशक्त, जागृत और एकीकृत हिंदू समाज का निर्माण हो सके। चंदेल ने विश्वास व्यक्त किया कि एकजुट सनातन समाज ही भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित करेगा।

इंडिगो एयरलाइंस के नाम पर फर्जी नौकरी का झांसा, 9 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की दक्षिण जिले की साइबर पुलिस ने फर्जी नौकरी दिलाने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों में गिरोह का मास्टरमाइंड, एक टेलीकॉम कंपनी का कर्मचारी और सात महिला टेलीकॉलर शामिल हैं, जो इंडिगो एयरलाइंस के नाम पर बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर ठग रहे थे। आरोपितों के कब्जे से 23 इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, 19 सिम कार्ड, 8 यूपीआई आईडी, बैंक खातों के क्यूआर कोड और एक वाई-फाई राउटर बरामद किया गया है।

दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने शनिवार को बताया कि साइबर थाने में अमरजीत यादव नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने ओएलएक्स पर नौकरी खोजते समय इंडिगो एयरलाइंस के नाम से कॉल प्राप्त की। कॉल करने वालों ने इंटरव्यू और यूनिफॉर्म के नाम पर उनसे 11,000 की ठगी कर ली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार तकनीकी विश्लेषण से आरोपितों की लोकेशन सुभाष नगर, तिलक नगर क्षेत्र में मिली। पुलिस ने छापा मारकर मुख्य आरोपित विकास कुमार उर्फ विक्की (38) को गिरफ्तार किया। उसके पास से पांच मोबाइल फोन बरामद हुए। जिनका इस्तेमाल ठगी में किया गया था। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह अपने सहयोगी बलजीत सिंह (टेलीकॉम कंपनी का कर्मचारी) और अन्य साथियों के साथ गणेश नगर, तिलक नगर में एक फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था। वहां सात महिला टेलीकॉलर काम करती थीं जिन्हें ÷जॉब हाई÷ और ÷वर्क इंडिया÷ जैसे ऑनलाइन पोर्टल्स के जरिए रखा गया था। उन्हें 15,000 प्रतिमाह नकद वेतन दिया जाता था। ये महिलाएं बेरोजगार युवाओं को कॉल कर इंडिगो एयरलाइंस, एयर इंडिया आदि कंपनियों के नाम पर नौकरी का झांसा देतीं और उनसे पैसे ऐंठतीं। पकड़े गए आरोपितों की पहचान विकास कुमार उर्फ विक्की, बलजीत सिंह, चरणजीत उफ चारू, शालिनी भारद्वाज, आरती कौर, पलवीन कौर, नंदिनी, पूजा गुप्ता और श्वेता उर्फ शिवानी सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि गिरोह के सदस्य ओएलएक्स व अन्य प्लेटफॉर्म पर फर्जी नौकरी विज्ञापन डालते थे। इच्छुक उम्मीदवार जब कॉल करते तो टेलीकॉलर खुद को एयरलाइन कंपनी का प्रतिनिधि बतातीं और उन्हें विभिन्न चरणों में पैसे देने के लिए प्रेरित करतीं थी। आरोपित गिरोह पहले 2,500 हजार सिक्योरिटी डिपॉजिट के रूप में लेता फिर 5,000 से 8,000 तक यूनिफॉर्म व जूते के खर्च के नाम पर लेते। अंत में 10,000 से 15,000 हजार तक सैलरी अकाउंट खोलने या जॉइनिंग फीस के नाम पर रुपये वसूलते। इन छोटी-छोटी रकमों के कारण अधिकांश पीड़ित शिकायत दर्ज नहीं कराते थे, जिसका लाभ उठाकर गिरोह एक वर्ष से अधिक समय तक सक्रिय रहा।

जांच में पता चला कि बलजीत सिंह, जो एक टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर के विकासपुरी स्थित स्टोर में सेकंड इंचार्ज था, ग्राहकों के बायोमेट्रिक डेटा का दुरुपयोग कर फर्जी सिम कार्ड जारी करता था। वह असली ग्राहकों को यह कहकर गुमराह करता कि उनकी सिम वेरिफिकेशन पूरी नहीं हुई है और इस बहाने उनके बायोमेट्रिक का इस्तेमाल कर नई सिम जारी कर देता था। ये सिम बाद में ठगों को दे दी जाती थीं। तकनीकी जांच में खुलासा हुआ कि इन आरोपितों से जुड़े 40 से अधिक मामले राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर दर्ज हैं। गिरोह देशभर के बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाकर फर्जी एयरलाइन नौकरियों के नाम पर ठगी कर रहा था। पुलिस अब अन्य सहयोगियों की तलाश कर रही है।

दिल्ली की विकास यात्रा को नई दिशा दी है प्रवेश वर्मा ने : मनोज कुमार जैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम के मनोनीत पार्षद मनोज कुमार जैन ने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने अपने समर्पित कार्य और दूरदर्शी नेतृत्व से राजधानी की विकास यात्रा को नई दिशा दी है। उनके जन्मदिवस के अवसर पर मनोज जैन ने शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्रवेश वर्मा युवा ऊर्जा, निष्ठा और राष्ट्रभक्ति का प्रेरक उदाहरण हैं। जैन ने कहा कि केवल आठ माह के कार्यकाल में प्रवेश वर्मा ने यमुना नदी के पुनरुद्धार से लेकर स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे अभियानों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने जनता से सीधे संवाद की नीति अपनाकर जनविश्वास अर्जित किया है। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता और जनता के प्रति उत्तरदायित्व का भाव स्पष्ट दिखाई देता है। पार्षद ने कहा कि प्रवेश वर्मा के व्यक्तित्व में उनके पिता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय साहिब सिंह वर्मा की सादगी, दृढ़ता और जनसेवा का अनुरूप दर्शन होता है। उन्होंने कहा कि जैसे साहिब सिंह वर्मा ने दिल्ली की जनता को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया था, वैसे ही प्रवेश वर्मा उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। मनोज जैन ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को उत्तम स्वास्थ्य, असीम ऊर्जा और दीर्घायु प्राप्त हो ताकि वे देश और दिल्ली के विकास पथ पर निरंतर अग्रसर रहकर जनता की सेवा करते रहें।

एनएसयूआई नेता आनंद और अन्य छात्रों को रिहा किए जाने की मांग

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने एनएसयूआई की बीएचयू इकाई के अध्यक्ष सुमन आनंद की गिरफ्तारी पर चिंता जताई है। उन्होंने सुमन और अन्य छात्रों को तत्काल रिहा किए जाने की मांग की है। चौधरी ने एक बयान में कहा कि सुमन आनंद को सोमवार दोपहर 2 बजे हॉस्टल कक्ष से हिरासत में लिया गया, जो वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र में 'वोट चोरी' के खिलाफ निर्धारित शांतिपूर्ण प्रदर्शन से कुछ घंटे पहले था। सुमन आनंद वाराणसी के लंका पुलिस स्टेशन में हैं।

गौ माता की रक्षा के लिए भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना आवश्यक : डॉ. बसंत गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. बसंत गोयल ने कहा कि यदि देश में गौ हत्या को रोकना है तो भारत को हिन्दू राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित करना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक सनातन धर्म की मूल भावना के अनुरूप राष्ट्र की नीतियाँ नहीं बनेंगी, तब तक गौ माता को समुचित सुरक्षा नहीं मिल सकेगी।

डॉ. गोयल शुक्रवार को जंतर मंतर पर आयोजित ÷गौ भक्त बलिदान दिवस÷ स्मरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह दिवस वर्ष 1966 में संसद भवन के द्वार संख्या दो पर हुए उस ऐतिहासिक आंदोलन की स्मृति में प्रति वर्ष मनाया जाता है, जब अनेक गौ भक्तों ने गौ रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उस समय आंदोलन का नेतृत्व धर्मसम्राट परमहंस स्वामी करपात्री महाराज के सान्निध्य में हुआ था।

इस अवसर पर डॉ. बसंत गोयल ने कहा कि यदि गौ माता को राष्ट्रीय माँ का दर्जा दिलाना है तो प्रत्येक सनातनी को इस यज्ञ में अपनी आहुति देनी होगी। चाहे वह साधु-संत हो, राजनेता हो या समाज का कोई व्यक्ति, सभी को एकजुट होकर गौ रक्षा के संकल्प को साकार बनाना होगा। उन्होंने कहा कि करपात्री महाराज का बलिदान केवल गौ रक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की चेतना का ज्वलंत उदाहरण है।

कार्यक्रम में शंकराचार्य जी, लोकेश मुनि जी, आचार्य गोपीदास जी एवं दाती महाराज सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर दाती महाराज ने डॉ. बसंत गोयल को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया और गौ सेवा के प्रति उनके सतत प्रयासों की सराहना की।

मास रेपिड ट्रांसिट सिस्टम से मेट्रो का बेहतर ढंग से एक दूसरे से जुड़ाव होगा: मनोहर लाल

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम में किया 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ

संवाददाता

गुरुग्राम। केंद्रीय आवासन, शहरी एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में इजी मोड ऑफ ट्रेवलिंग थीम के साथ सुगमता बनाए रखने के लिए बेहतर यातायात व्यवस्था व सेवाएं प्रदान करना है। इस सम्मेलन में नीतिगत आधार पर आए सुझावों के साथ शहरी क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाते हुए जन सेवाएं प्रदान करने की दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को गुरुग्राम के हयात होटल में आयोजित तीन दिवसीय 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन एवं प्रदर्शनी के उद्घाटन अवपसर पर बोल रहे थे। उन्होंने शहरी विकास और गतिशीलता को दर्शाती विकासात्मक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने उपरांत अवलोकन भी किया। मनोहर लाल ने अपने मंत्रालय के माध्यम से आमजन की सुविधा व बेहतर इंफ्रास्टक्चर विकसित करने के उद्देश्य पर केंद्रित तीन बड़ी घोषणाएं करते हुए कहा कि इनके शुरू होने से विकास की नई शुरुआत देखने को मिलेगी। उन्होंने घोषणा की कि दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड (डीएमआईएल) की स्थापना की जाएगी, जिसके तहत भारत के अलावा अन्य देशों के लिए यह एजेंसी मेट्रो के विस्तारीकरण की दिशा में काम करेंगी। मास रेपिड ट्रांसिट सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसके लिए डीएमआरसी सहयोगी रहेंगी। इस सिस्टम से मेट्रो का बेहतर ढंग से एक दूसरे से जुड़ाव होगा। सुरक्षा मानकों व साइबर सिक्योरिटी सिस्टम के साथ आमजन को सुरक्षित यातायात सुविधाएं व सेवाएं कार्य करेंगी। मेट्रो सेवा में गुणवत्तापरक सुधार लाने व नए प्रयोग करने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का गठन शहरी मंत्रालनय द्वारा किया जाएगा। इसके गठन से तीव्र गति से केपेस्टि बिल्डिंग का काम होगा और सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के साथ यह केंद्र मेट्रो सेवा में नवाचार पद्धति के साथ नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में अनेक बड़े कनवेंशन सेंटर हैं, किंतु बड़े शहरों में शामिल गुरुग्राम में भी कनवेंशन सेंटर की जरूरत है। ऐसे में वे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से विचार विमर्श करते हुए यहां भी अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण कनवेंशन सेंटर बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत आत्मिर्भरता के साथ आगे बढ़ रहा है। ट्रांसपोर्ट नेटवर्किंग को जोड़ते हुए देश मेक इन इंडिया के सिद्धांत के साथ 2047 को विकसित राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाने में अग्रणी रहेगा। शहरी क्षेत्र में आवश्यकता अनुरूप सकारात्मक परिवर्तन किया जा रहा है। शहरी क्षेत्र में यातायात पर सरकार का पूरा फोकस है। उन्होंने कहा कि भारत आज मेट्रो सेवा प्रदान करने में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। आने वाले करीब तीन साल में हम अमेरिका को पीछे छोडकर अग्रणी देशों में शामिल होंगे।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक गायन

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उपस्थित जनसमूह के साथ सामूहिक गायन कर की। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा रहा है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत उस समय के हर भारतीय के हृदय में जोश, आत्मबल और स्वाभिमान की ज्योति जलाने मंत्र सिद्ध हुआ था। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन किया। जिनमें गाइडलाइंस फॉर इश्यूइंग म्युनिसिपल ग्रीन बॉन्ड इन इंडिया, दा ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप न्यूजलेटर के एडिशन-5 तथा गाइडेंस डॉक्युमेंट ऑन बिल्डिंग रिसाइलेंट ई-बस इकोसिस्टम पुस्तक शामिल थी।

देश के शहरी भविष्य को नई सोच के साथ दिया जा रहा है नया आकार: तोखन साहू

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने गुरुग्राम में 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में कही

संवाददाता

गुरुग्राम। केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि वर्ष 2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में यह सम्मेलन एक सशक्त कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हम देश के शहरी भविष्य को नई सोच, नई ऊर्जा और नई प्रतिबद्धता के साथ आकार दे रहे हैं। यह सम्मेलन हमारी सांस्कृतिक विरासत और विकास के संकल्प दोनों को एक साथ जोड़ता है। 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन एवं प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर कही। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन, शहरी एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि भारत इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के एक परिवर्तनकारी युग से गुजर रहा है, जहां शहरी परिवहन केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक समानता का सशक्त साधन बन चुका है। साहू ने कहा कि इस वर्ष का सम्मेलन शहरी विकास और परिवहन का आपसी संबंध जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण और सामयिक विषय पर केंद्रित है। गतिशील और समावेशी परिवहन प्रणाली ही नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवश्यक सेवाओं तक आसान पहुँच प्रदान करती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन, मिशन अमृत, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), मेट्रो रेल विस्तार, इलेक्ट्रिक बस सेवा, सार्वजनिक साइकिल प्रणाली और ट्रांजिट उन्मुख विकास जैसी योजनाओं ने देश में शहरी परिवहन को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ऐसा परिवहन तंत्र बनाना है जो समावेशी, पर्यावरण के अनुकूल और सभी वर्गों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

शहरी गतिशीलता क्षेत्र में उन्नति का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा हरियाणा

सम्मेलन में हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजा शेखर वुंडरू ने कहा कि हरियाणा राज्य शहरी गतिशीलता (अर्बन मोबिलिटी) के क्षेत्र में प्रगति का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। जोकि अन्य राज्यों के लिए अनुसरण का विषय है। डॉ. वुंडरू ने सम्मेलन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सम्मेलन सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थानों और आम नागरिकों के बीच सहयोग का एक सशक्त मंच प्रदान करता है। यह ऐसा मंच है जहां हम सभी मिलकर नए विचार, नवाचार और रचनात्मक समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। इस प्रकार के प्रयास हमें केवल ढांचागत निर्माण तक सीमित नहीं रखते, बल्कि परिणाम आधारित विकास, संपर्क से सुगमता और अंततः उस परिवर्तन की दिशा में ले जाते हैं जिसकी हम कल्पना करते हैं, जहां हमारे शहर किफायती, सुलभ और रहने योग्य बनें। आज हम जिन शहरों का स्वरूप तैयार कर रहे हैं, वही आने वाले कल के भारत की पहचान तय करेंगे। इस अवसर पर आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कटीकिथला, गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्र शेखर खरे, पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, डीसी अजय कुमार सहित अन्य अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति सहित देश भर के मेयर व शहरी निकाय से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संत दुर्बल नाथ जी ने समता, सद्भावना व सामाजिक न्याय के लिए काम किए: धर्मबीर सिंह

134वें ज्ञान प्रकाश महोत्सव पर गुरुग्राम में किया गया कार्यक्रम

संवाददाता

गुरुग्राम। दुर्बल नाथ सेवा समिति की ओर से राष्ट्रीय संत दुर्बल नाथ जी के 134वें ज्ञान प्रकाश महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने उन्हें पुष्पांजलि देकर नमन किया गया। इस अवसर पर भंडारे भी लगाया गया। समिति के प्रधान धर्मबीर सिंह, यशपाल, मोहित खन्ना, संजय चावला, ललित पंवार, हनुमान, अमित, संगीता, राहुल बहल, तेजराम सांवरिया, हरदीप सिंह समेत अनेक लोगों की मौजूदगी में यह आयोजन किया गया।प्रधान धर्मबीर ड्क्षसह ने बताया कि संत दुर्बल नाथ जी 19वीं सदी के एक भारतीय हिंदू संत थे। उनका जन्म राजस्थान के अलवर जिले के बिचगांव में हुआ था। उन्होंने समाज में समता, सद्भावना और सामाजिक न्याय के लिए काम किया, जाति-भेद और ऊंच-नीच जैसी कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया, और पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। उनका सबसे प्रसिद्ध मंदिर राजस्थान के दौसा जिला के बांदीकुई कस्बे में है। बांदीकुई मंदिर में हर साल कार्तिक पूर्णिमा पर ज्ञानप्रकाश महोत्सव मनाया जाता है। उन्होंने दलित, शोषित और वंचित वर्ग के लोगों को जीवन का नया मार्ग दिखाया। उन्होंने समाज में फैली ऊंच-नीच, छुआ-छूत और भेदभाव जैसी कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। वे समता और सद्भावना की नींव को मजबूत करने के लिए जाने जाते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में उनका अहम योगदान रहा। वे प्रकृति प्रेमी थे। उनका मानना था कि प्रकृति मानव का भरण-पोषण कर सकती है, इसलिए पर्यावरण का संतुलन आवश्यक है। उन्होंने जीव-जंतुओं की हत्या को घोर अपराध बताया और उनकी रक्षा करने की वकालत की। उनके मानवता के लिए कार्यों के कारण, भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय ने उनका नाम संत कबीर, रैदास, संत गाडगे जी महाराज जैसे संतों की सूची में शामिल किया है।

पूर्व सैनिक ने गोली मारकर की आत्महत्या

- सुसाइड नोट में पूर्व सैनिक ने लिखा-जो मुझसे दुखी थे अब खुश रहना

संवाददाता

गुरुग्राम। जो मुझसे दुखी थे अब खुश रहना। सुसाइड नोट में यह बात लिखकर एक पूर्व सैनिक ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। साउथ सिटी-2 ब्लॉक-बी में सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के पीछे गोली मारकर आत्महत्या करने वाले पूर्व सैनिक को देखकर लोगों का हुजूम लग गया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह करीब 10 बजे टीकली गांव निवासी पूर्व सैनिक अशोक कुमार अपनी पत्नी से यह कहकर घर से निकला था कि वह नौकरी के लिए इंटरव्यू देने जा रहा है। वह सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के पास पहुंचा। इसी बैंक में वे सिक्योरिटी गार्ड थे। पिछले डेढ़ साल से उनके पास कोई नौकरी नहीं थी। बैंक से उन्होंने एक लाख रुपये अपने बैंक खाते से निकाले। बताया जा रहा है कि वह किसी का कर्ज चुकाना चाह रहा था। इसके बाद उसने अपने कुछ साथियों से करीब दो घंटे तक बातचीत की। गुरुवार दोपहर को वह बैंक से निकलकर बैंक के पीछे एक रेहड़ी पर बैठ गया। वहां भी उसने करीब तीन घंटे बिताए। इसके बाद उसने खुद को गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक अशोक के पास से एक बैग बरामद हुआ। बैग में एक सुसाइड नोट भी था। जिसमें लिखा हुआ था कि-जो मेरे से दुखी थे अब खुश रहना।

पुलिस उसके सुसाइड नोट के आधार पर परिवार और उनके जानने वालों से यह जानकारी जुटा रही है कि कौन उसे परेशान कर रहा था। किसके बारे में उसने यह बात लिखी है। अशोक कुमार परिवार में पत्नी व दो बेटे छोड़ गए हैं। उनका बड़ा बेटा हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल है। मौके से पुलिस को गोलियां से लोडेड रिवॉल्वर बरामद हुआ है। अशोक कुमार के पास प्वायंट 32 बोर का रिवॉल्वर था। उसी से ही उसने आत्महत्या की है। वहां से पांच कारतूस व एक खाली खोल भी बरामद किए गए हैं। पुलिस को मृतक अशोक के बैग से एक लाख रुपये भी मिले हैं। इस घटना की सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंचे।

लायंस पब्लिक स्कूल सेक्टर-10ए में गाया गया राष्ट्रगीत

राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ पर किया गया आयोजन

संवाददाता

गुरुग्राम। लायंस पब्लिक स्कूल सेक्टर-10ए ने शुक्रवार को राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित किया गया। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत विद्यालय में स्कूल समय के दौरान वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना और सांस्कृतिक गौरव को जागृत करना था। छात्रों ने पूरे उत्साह और गर्व के साथ इस गीत का गायन किया, जिससे वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपिंदर कौर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपने राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का भाव सिखाते हैं। यह आयोजन न केवल एक सांस्कृतिक स्मरण था, बल्कि नई पीढ़ी को राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास से जोडने का एक प्रेरणादायक प्रयास भी था।

लायंस स्कूल के छात्रों ने एमयूएन में किया शानदार प्रदर्शन

लायंस पब्लिक स्कूल सेक्टर 10ए के छात्रों ने समर फील्ड्स स्कूल डीएलएफ फेज-1 गुरुग्राम द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) में शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने उच्च प्रशंसा सम्मान (लोकसभा) में निमित कुमार सिंह ने हासिल किया। सार्थक बहल सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि लोकसभा चुने गए।इसके साथ ही लायंस पब्लिक स्कूल सेक्टर-10ए को सर्वश्रेष्ठ स्कूल प्रतिनिधिमंडल का पुरस्कार भी दिया गया। पंखुड़ी (आठवीं कक्षा), छवि (आठवीं कक्षा), जिया मेहता (नौवीं कक्षा) और वंशिका (ग्यारहवीं कक्षा) अन्य प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। विद्यालय के चेयरमैन लायन डा. के.एस. ढाका, मैनेजर राजीव कुमार ने स्कूल की प्रिंसिपल दीपिंदर कौर व उनकी टीम को बधाई दी। पुरस्कार जीतने वाले बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

केंद्रीय विद्यालय समूह केंद्र सीआरपीएफ कादरपुर में हुआ कैंसर जागरुकता कार्यक्रम

राइट टू लाइफ फाउंडेशन ने विद्यार्थियों को दिए कैंसर से बचाव के टिप्स

संवाददाता

गुरुग्राम। केंद्रीय विद्यालय समूह केंद्र, रिजर्व पुलिस बल कादरपुर (गुरुग्राम संभाग) के प्रांगण में शुक्रवार को कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य संजय ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राइट टू लाइफ फाउंडेशन से कैंसर के प्रति जागरुकता अभियान की विशेषज्ञ डा. आर. तुलसी कुमारी उपस्थित रहीं। डा. आर तुलसी कुमारी ने विद्यार्थियों को कैंसर रोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैंसर आज के समय में तेजी से फैलने वाली घातक बीमारियों में से एक है, जिससे हर वर्ष लाखों लोग असमय अपनी जान गंवा देते हैं।

उन्होंने कहा कि संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर कैंसर जैसी बीमारी से बचाव संभव है। डा. आर तुलसी ने विद्यार्थियों को कैंसर के प्रमुख कारणों के बारे में बताया और विशेष रूप से धूम्रपान व मद्यपान से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि तंबाकू या शराब का सेवन करने वालों में कैंसर का खतरा सामान्य व्यक्तियों की तुलना में कई गुना अधिक होता है। डा. आर तुलसी ने शिक्षकों को भी अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहने और समय-समय पर कैंसर की जांच कराने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने डा. आर तुलसी से कैंसर से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे गए। उन्होंने सरल और प्रेरणादायक तरीके से उत्तर दिया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से यह संकल्प लिया कि वे भविष्य में कभी धूम्रपान या मद्यपान नहीं करेंगे। अपने परिवार, विशेषकर माताओं को स्तन कैंसर की नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित करेंगे। विद्यालय प्राचार्य संजय ने डॉ. आर. तुलसी कुमारी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

गुरुग्राम में 3000 से अधिक बच्चों ने सामूहिक रूप से गाया वंदे मातरम

वंदे मातरम सिर्फ गीत नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा: ओम प्रकाश धनखड़

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तरीय समारोह आयोजित

संवाददाता

गुरुग्राम। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को स्मरण उत्सव मनाया गया। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-49 में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कार्यक्रम में 3000 से अधिक छात्र-छात्राओं सहित सभी उपस्थित जनों ने ठीक सुबह 09 बजकर 50 मिनट पर सावधान की मुद्रा में खड़े होकर एक स्वर में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया। यह विशेष सामूहिक गायन पूरे देश में इसी निर्धारित समय पर किया गया, जिसने राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और सामूहिक गौरव की भावना को और भी अधिक प्रबल रूप से पूरे राष्ट्र में प्रसारित किया। इस अवसर पर ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं है, यह भारतीय स्वाधीनता आंदोलन की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धुरी है। यह गीत उन हजारों-लाखों क्रांतिकारियों की प्रेरणा रहा, जिन्होंने विदेशी शासन के सामने सिर नहीं झुकाया और मातृभूमि की रक्षा के लिए हंसते-हंसते फांसी का फंदा स्वीकार कर लिया। उन्होंने राम प्रसाद बिस्मिल के क्रांतिकारी गीत सरफ़रोशी की तमन्ना और खुदीराम बोस की हंसते-हंसते फांसी को याद करते हुए कहा कि वंदे मातरम उनकी नसों में बहती लौ थी। यह वही गीत था, जिसके साहस ने चंद्रशेखर आजाद को यह संकल्प दिया कि मैं आजाद पैदा हुआ हूं और आजाद ही मरूंगा। उन्होंने कहा कि इस उत्सव के माध्यम से हमें यह संकल्प लेना है कि हम सिर्फ वंदे मातरम नहीं गाते, बल्कि भारत माता की वंदना करते हैं। उनके गौरव के लिए हमेशा समर्पित रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के मार्ग पर अग्रसर है और हमें भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनना चाहिए।

ओम प्रकाश धनखड़ ने वंदे मातरम् के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन एवं कृतित्व पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। प्रदर्शनी में उनके जन्म, शिक्षा, साहित्यिक यात्रा, राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत उनकी सोच तथा वंदे मातरम गीत की रचना से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसके साथ ही वंदे मातरम गीत के इतिहास, इसकी प्रेरणादायी भूमिका और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इस गीत ने भारतीय जन-मानस में जो जोश और राष्ट्रीय चेतना जगाई, उसे भी विस्तार से दर्शाया गया है। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त वत्सल वशिष्ठ, एसडीएम बादशाहपुर संजीव सिंगला, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सुमित कुमार, भाजपा प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, भाजपा जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, जिला शिक्षा अधिकारी इंदु बोकन तथा डीएवी विद्यालय की प्राचार्या डॉ. चारु मणि सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भारत में राज्य सरकारों के ऋणों में भारी वृद्धि इन राज्यों की अर्थव्यवस्था को ले डूबेगी

प्रहलाद सबनानी

हाल ही के कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा भी बाजार से ऋण लेने की राशि में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार पर 1.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बकाया था जो वर्ष 2025 में, लगभग दुगना होते हुए, बढ़कर 3.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है और वर्ष 2029 तक इसके 4.89 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।

किसी भी नागरिक, वाणिज्यिक संस्थान, राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा उत्पादक कार्यों के लिए बाजार से ऋण लेना केवल तब तक ही सही हैं जब तक बाजार से लिए गए ऋण से कम से कम उस स्तर तक आय का अर्जन हो कि इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान इस आय से आसानी से किया जा सके। परंतु, किसी भी व्यक्ति अथवा संस्थान द्वारा बाजार से ऋण यदि अनुत्पादक कार्य के लिए लिया जा रहा है तो इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान करना निश्चित ही मुश्किल कार्य हो सकता है। आज भारत के कुछ राज्यों की बजटीय स्थिति पर भारी दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि इन राज्यों ने बाजार से भारी मात्रा में ऋण लिया हैं एवं इस ऋण का उपयोग अनुत्पादक कार्यों यथा बिजली के बिल माफ करना, नागरिकों के खातों में सीधे राशि जमा करना, मुफ्त पानी उपलब्ध कराना, कुछ पदार्थों पर सब्सिडी उपलब्ध कराना, आदि के लिए किया जा रहा है। इन राज्यों की स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि इन्हें ऋणों पर अदा किए जाने वाले ब्याज एवं किश्तों के भुगतान हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा हैं। यदि कुछ और वर्षों तक इन राज्यों की यही स्थिति बनी रही तो निश्चित ही यह राज्य दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच जाने वाले हैं।

हाल ही के कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा भी बाजार से ऋण लेने की राशि में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार पर 1.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बकाया था जो वर्ष 2025 में, लगभग दुगना होते हुए, बढ़कर 3.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है और वर्ष 2029 तक इसके 4.89 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। इस प्रकार, भारत सरकार का ऋण, भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों की निर्भरता ऋण पर लगातार बढ़ती हुई दिखाई दे रही है जिसे देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य की दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। आज केंद्र सरकार पर 200 लाख करोड़ रुपए की राशि का ऋण बकाया है एवं समस्त राज्य सरकारों पर 82 लाख करोड़ रूपए का ऋण बकाया है, इस प्रकार केंद्र एवं राज्य सरकारों पर संयुक्त रूप से 282 लाख करोड़ रुपए का ऋण बकाया है जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 81 प्रतिशत है।

एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था ऋण के ऊपर विकसित की जा रही है। जबकि, भारतीय आर्थिक दर्शन ऋण पर निर्भरता को प्रोत्साहन नहीं देता है। चाणक्य के अर्थशास्त्र में, राजा के पास कोष में आधिक्य होने का वर्णन मिलता

है। राजा के पास यदि ऋण के स्थान पर कोष का आधिक्य होगा तब वह राज्य अपने नागरिकों के कल्याण पर अधिक राशि खर्च करने की स्थिति में रहेगा। अर्थात, प्राचीन भारत में राज्यों का आधिक्य का बजट रहता था, उसी स्थिति में वे राज्य अपने नागरिकों के कल्याण के कार्यों को तेज गति से चलाने की स्थिति में रहते थे। राज्य का खजाना ही यदि खाली हो तो वे किस प्रकार से राज्य के नागरिकों के लिए भलाई के कार्य कर सकते हैं। आज की स्थिति, बिलकुल विपरीत दिखाई देती है और आज कुछ राज्य बाजार से ऋण लेकर भी नागरिकों को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध करा रहें हैं बगैर यह सोचे समझे कि आगे आने वाले समय में बाजार से लिए गए ऋण का भुगतान किस प्रकार किया जाएगा।

आज भारत में कुछ राज्यों की स्थिति यह है कि वे अपनी कुल आय का 55 प्रतिशत भाग कर्मचारियों को वेतन, पेन्शन एवं उधार ली गई राशि पर ब्याज के भुगतान करने जैसी मदों पर खर्च कर रहे हैं। जबकि, विभिन्न राज्य अपनी आय को बढ़ा सकने की स्थिति में नहीं है। कुछ राज्य तो वर्ष भर में जिस आय की राशि का आंकलन करते हैं उसे प्राप्त ही नहीं कर पाते हैं और बजटीय आय की राशि एवं वास्तविक आय की राशि में 11 प्रतिशत तक की कमी रहती है, जबकि इन राज्यों के खर्च नियमित रूप से बढ़ते जा रहे हैं और इस प्रकार इन राज्यों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है और अब यह असहनीय स्थिति में पहुंच गया है।

आज राज्यों की कुल आय का 84 प्रतिशत भाग स्थिर मदों पर खर्च हो रहा है। प्रदेश को आगे बढ़ाने एवं आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाने के लिए कुछ राशि इन राज्यों के पास उपलब्ध ही नहीं हो पा रही है। पूंजीगत खर्चों में लगातार हो रही कमी के चलते इन राज्यों में नए अस्पतालों का निर्माण, नए रोड का निर्माण नए स्कूल हेतु भवनों का निर्माण नहीं हो पा रहा हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। पंजाब में कुल आय का 76 प्रतिशत भाग कर्मचारियों के वेतन, पेन्शन एवं ऋण पर ब्याज अदा करने जैसी मदों पर खर्च हो रहा है इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश में 79 प्रतिशत एवं केरल में 71 प्रतिशत भाग उक्त मदों पर खर्च किया जा रहा है। साथ ही, कुछ राज्यों द्वारा अपनी कुल आय का भारी भरकम हिस्सा सब्सिडी जैसी मदों पर खर्च किया जा रहा है। जैसे, पंजाब द्वारा अपने बजटीय आय का 24 प्रतिशत भाग सब्सिडी पर खर्च किया जा रहा है। इसी प्रकार, हिमाचल प्रदेश द्वारा 5 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश द्वारा 15 प्रतिशत, तमिलनाडु द्वारा 12 प्रतिशत एवं राजस्थान द्वारा 13 प्रतिशत राशि सब्सिडी पर खर्च की जा रही है। पंजाब द्वारा तो अपने बजट की 100 प्रतिशत राशि (24 प्रतिशत सब्सिडी पर एवं 76 प्रतिशत राशि वेतन, पेन्शन एवं ब्याज पर खर्च की जा रही है) सामान्य मदों पर खर्च की जा रही है और पूंजीगत खर्चों के लिए शून्य राशि बचती है।

विभिन्न राज्यों द्वारा पेन्शन की मद पर वर्ष 1980-81 में अपने राज्य की कुल आय का केवल 3.4 प्रतिशत की राशि का खर्च किया जा रहा था जो वर्ष 2021-22 में बढ़कर 24.3 प्रतिशत हो गया। इसी कारण से भारत सरकार ने पेन्शन अदा करने के नियमों में परिवर्तन किया था। आज यदि पेन्शन की नीति को नहीं बदला गया होता तो इस मद पर होने वाला खर्च बढ़कर 30 प्रतिशत के आसपास पहुंच जाता।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं। इन राज्यों में हिमाचल प्रदेश, केरल, पश्चिमी बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं।

सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण आज 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

इसी क्रम में ध्यान में आता है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 5200 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने का निर्णय लिया है। यह फैसला इसलिए चर्चा में है क्योंकि भाईदूज के अवसर पर ह्यलाड़ली बहना योजनाह्न के अंतर्गत 1.27 करोड़ महिलाओं के खातों में राशि समय पर नहीं पहुंच पाई थी। इसके बाद सरकार ने प्रदेश स्थापना दिवस पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए ऋण लेने का रास्ता चुना है। जब किसी राज्य को सामाजिक योजनाओं पर खर्च के लिए ऋण लेना पड़े तो यह स्थिति उस प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती है। मध्यप्रदेश द्वारा ऋण लेने की रफ्तार पिछले कुछ वर्षों में कुछ तेज हुई है। मार्च 2024 तक मध्यप्रदेश राज्य पर 3.7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अब बढ़कर 4.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। जबकि, मध्यप्रदेश की आय में इस रफ्तार से वृद्धि नहीं देखी जा रही है। वित्तीथय अनुशासन की दृष्टि से यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि ब्याज भुगतान का बोझ हर साल बढ़ता जा रहा है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल एवं पश्चिम बंगाल की राह पर कहीं मध्यप्रदेश राज्य भी तो नहीं चल पड़ा है।

संपादकीय

'सरकार चोरी' के संगीन आरोप

नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के जो खुलासे किए हैं, उन्हें 'हाइड्रोजन बम' कहें अथवा 'सरकार चोरी' के संगीन आरोप कहें, लेकिन उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राहुल के आरोप चुनाव आयोग की वेबसाइट के तथ्यों पर आधारित हैं। यदि उनमें एक भी आरोप अकाट्य है, अर्द्धसत्य भी है, तो चुनाव आयोग का पूर्ण सत्य ध्वस्त हो सकता है। ऐसे खुलासे सामने आए हैं, जो भारत के चुनाव आयोग की विश्व-विख्यात, तटस्थ, निष्पक्ष, ईमानदार छवि को कलंकित कर सकते हैं। यदि चुनाव आयोग और प्रक्रिया ही दागदार और सवालिया हैं, तो लोकतंत्र की आत्मा ही मर जाएगी, लिहाजा हलफनामे की औपचारिकताओं के बिना ही कमोबेश मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इन आरोपों के जवाब देने चाहिए। चूंकि चुनाव आयोग के हरेक महत्वपूर्ण आयोजन पर मुख्य चुनाव आयुक्त ही देश को संबोधित करते रहे हैं, लिहाजा अब उनकी खामोशी अक्षम्य है। यदि चुनाव आयोग और उसके तीन सूत्रधार आयुक्तों को राहुल गांधी के आरोप बेबुनियाद और खोखले लगते हैं, तो वे कानूनी कार्रवाई करें। प्राथमिकी दर्ज कराएं और राहुल को आरोपित बना कर सर्वोच्च अदालत में केस चलाएं। खामोशी या हलफनामे की शर्त अथवा कांग्रेस के चुनाव एजेंटों पर सवाल दागना कोई स्पष्टीकरण नहीं है। यह देश की सुरक्षा के साथ 'भ्रष्ट समझौता' है कि हरियाणा की मतदाता सूची में ब्राजील की एक मॉडल का फोटो 22 जगह है। एक ही फोटो के साथ सीमा, सरस्वती, स्वीटी, रश्मि, विमला आदि नाम हैं। आखिर यह कैसे हुआ? क्या चुनाव आयोग इतनी लापरवाही से मतदाता पहचान पत्र बनाता है? आयोग का अपना आधुनिक सॉफ्टवेयर है। वह 'क्लिक' करते ही किसी भी फ्रॉड, फर्जी और नकलीपन को पकड़ सकता है और उसे खारिज कर सकता है। राहुल गांधी के खुलासे के मुताबिक, हरियाणा की मतदाता सूची में 5, 21, 619 डुप्लीकेट मतदाता हैं। चुनाव में 25.41 लाख से अधिक वोटों की चोरी की गई। फर्जी फोटो के साथ मतदाताओं की संख्या 1, 24, 177 है। हरियाणा में प्रत्येक 8 में से 1 मतदाता 'नकली' है। एक ही पते पर कई वोटर बनाए जाने को 'बल्क वोटर' कहते हैं। यदि एक ही पते पर 10 से अधिक मतदाता हैं, तो चुनाव आयोग को उसकी जांच करना अनिवार्य है, लेकिन हरियाणा में एक ही पते पर 66 या 501 मतदाता बनाए गए। हरियाणा में 'बल्क वोटर' की संख्या 19 लाख 26 हजार 351 है। राज्य की मतदाता सूची में 93, 174 मतदाता ऐसे हैं, जिनके पते 'अमान्य' हैं। मतदाताओं के मकान नंबर '0' दिए गए हैं या कुछ और हैं।

चिंतन-मनन

अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्रों का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

विल्हेम रॉन्टजन को एक्स-रे का सर्वप्रथम वर्णन करने का श्रेय

संजय गोस्वामी

विल्हेम रॉन्टजन को एक्स-रे का सर्वप्रथम वर्णन करने का श्रेय दिया जाता है। हड्डियों को देखने में मदद करने वाली एक्स-रे की खोज के कुछ ही हफ़्तों बाद, चिकित्सा जगत में एक्स-रे का उपयोग शुरू हो गया। चिकित्सा प्रयोजनों के लिए एक्स-रे प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हनोवर के युवा एडी मैकार्थी थे, जो 1896 में कनेक्टिकट नदी पर स्केटिंग करते समय गिर गए थे और उनकी बाईं कलाई में फ्रैक्चर हो गया था। इस ग्रह पर प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में एक निश्चित मात्रा में विकिरण के संपर्क में आता है। रेडियोधर्मी पदार्थ प्राकृतिक रूप से हवा, मिट्टी, पानी, चट्टानों और वनस्पतियों में पाए जाते हैं। अधिकांश लोगों के लिए प्राकृतिक विकिरण का सबसे बड़ा स्रोत रेडॉन है। इसके अतिरिक्त, पृथ्वी पर लगातार ब्रह्मांडीय विकिरण, जिसमें एक्स-रे भी शामिल हैं, का आक्रमण होता रहता है। ये किरणें हानिरहित नहीं हैं, लेकिन इनसे बचना असंभव है, और विकिरण का स्तर इतना कम होता है कि इसके प्रभाव लगभग अदृश्य हो जाते हैं। पायलटों, केबिन क्रू और अंतरिक्ष यात्रियों को ऊँचाई पर ब्रह्मांडीय किरणों के संपर्क में आने के कारण उच्च खुराक का अधिक खतरा होता है। हालाँकि, हवाई गतिविधि को कैंसर की बढ़ती घटनाओं से जोड़ने वाले बहुत कम अध्ययन हुए हैं। प्रकार एक मानक एक्स-रे छवि बनाने के लिए, रोगी या उसके शरीर के किसी भाग को एक एक्स-रे डिटेक्टर के सामने रखा जाता है और छोटी एक्स-रे तरंगों द्वारा प्रकाशित किया जाता है। चूँकि हड्डियों में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होता है, जिसका परमाणु क्रमांक उच्च होता है, एक्स-रे अवशोषित हो जाते हैं और परिणामी छवि में सफेद दिखाई देते हैं। उदाहरण के लिए, फेफड़ों में फँसी हुई कोई भी गैस, उनकी विशेष रूप से कम अवशोषण दर के कारण, काले धब्बों के रूप में दिखाई देती है। रेडियोग्राफी: यह एक्स-रे इमेजिंग का सबसे प्रचलित प्रकार है। इसका उपयोग टूटी हुई हड्डियों, दांतों और छाती की छवि बनाने के लिए किया जाता है। रेडियोग्राफी में विकिरण की सबसे कम मात्रा का भी उपयोग होता है। फ्लोरोस्कोपी: रेडियोलॉजिस्ट, या रेडियोग्राफर, रोगी की गति का वास्तविक समय में एक्स-रे देख सकता है और तस्वीरें ले सकता है। इस प्रकार के एक्स-रे का उपयोग बेरियम भोजन के बाद आंत की गतिविधि को देखने के लिए किया जा सकता है। फ्लोरोस्कोपी में मानक एक्स-रे की तुलना में ज्यादा एक्स-रे विकिरण का उपयोग होता है, लेकिन फिर भी मात्रा बहुत कम होती है। कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी): रोगी एक मेज पर लेटता है और एक वलय के आकार के स्कैनर में प्रवेश करता है। पंखे के आकार की एक्स-रे किरण रोगी के शरीर से होकर कई डिटेक्टरों तक पहुँचती है। रोगी धीरे-धीरे मशीन में जाता है ताकि 3ऊछवि बनाने के लिए स्लाइस की एक श्रृंखला ली जा सके। इस प्रक्रिया में एक्स-रे की सबसे ज्यादा मात्रा का उपयोग किया जाता है क्योंकि एक ही बार में बड़ी संख्या में छवियाँ ली जाती हैं। जोखिम एक्स-रे हमारे डीएनए में उत्परिवर्तन पैदा कर सकते हैं और इसलिए, आगे चलकर जीवन में कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसी कारण से, विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) और संयुक्त राज्य सरकार, दोनों द्वारा एक्स-रे को एक कार्सिनोजेन (विश्वसनीय स्रोत) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हालाँकि, एक्स-रे तकनीक के लाभ, इसके उपयोग के संभावित नकारात्मक परिणामों से कहीं अधिक हैं। अनुमान है कि अमेरिका में 0.4 प्रतिशत कैंसर सीटी स्कैन के कारण होते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चिकित्सा प्रक्रियाओं में सीटी स्कैन के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ यह स्तर भी बढ़ेगा। 2007 में अमेरिका में कम से कम 6.2 करोड़ सीटी स्कैन किए गए। एक अध्ययन के अनुसार, 75 वर्ष की आयु तक, एक्स-रे से कैंसर का खतरा 0.6 से 1.8 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। दूसरे शब्दों में, चिकित्सा इमेजिंग के लाभों की तुलना में जोखिम नगण्य हैं। प्रत्येक प्रक्रिया का एक अलग जोखिम होता है जो एक्स-रे के प्रकार और शरीर के जिस हिस्से की इमेजिंग की जा रही है, उस पर निर्भर करता है। नीचे दी गई सूची कुछ अधिक सामान्य इमेजिंग प्रक्रियाओं को दशार्ती है और विकिरण खुराक की तुलना सामान्य पृष्ठभूमि विकिरण से करती है जिसका सामना सभी लोग दैनिक आधार पर करते हैं। विभिन्न एक्स-रे प्रक्रियाएं अलग-अलग मात्रा में विकिरण उत्सर्जित करती हैं। छाती का एक्स-रे: 2.4 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर खोपड़ी का एक्स-रे: 12 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर काठ का रीढ़: 182 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर कम यूरोग्राम: 1 वर्ष के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर ऊपरी जठरांत्र परीक्षण: 2 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर बेरियम एनीमा: 2.7 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर सिर का सीटी स्कैन: 243 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर पेट का सीटी स्कैन: 2.7 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर। ये विकिरण आँकड़े वयस्कों के लिए हैं। बच्चे एक्स-रे के रेडियोधर्मी प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। दुष्प्रभाव हालाँकि एक्स-रे कैंसर के थोड़े बढ़े हुए जोखिम से जुड़े हैं, लेकिन अल्पकालिक दुष्प्रभावों का जोखिम बहुत कम है। उच्च विकिरण स्तर के संपर्क में आने से कई तरह के प्रभाव हो सकते हैं, जैसे उल्टी, रक्तस्राव, बेहोशी, बालों का झड़ना, और त्वचा व बालों का झड़ना।

राहुल की प्रेस कांफ्रेंस यानी बिहार में हार की पेशबंदी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान से एक दिन पहले दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर हरियाणा में डुप्लिकेट वोटर्स से लेकर बल्क वोटर्स तक, कैटेगरी वाइज आंकड़े भी बताए हैं। इससे पहले भी राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा उठा चुके हैं। लेकिन वो चुनाव आयोग में शपथ पत्र देकर शिकायत और अदालत का दरवाजा नहीं उठाते हैं। बस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बेबुनियाद आरोप और दावे करते रहते हैं। असल में पटना से करीब 1100 किलोमीटर दूर जब राहुल गांधी हरियाणा विधानसभा चुनाव में फर्जी वोटिंग के किस्से सुना रहे थे तब ऐसा लग रहा था मानो वो बिहार में महागठबंधन की होने वाली हार के लिए पेशबंदी कर रहे हैं।

राहुल गांधी के वोट चोरी पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि कांग्रेस को डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने के लिए शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा राज्य की मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील नहीं दायर की गई।

राहुल गांधी के इस दावे को लेकर काफी विवाद हो रहा है। इनमें भी सबसे बड़ा विवाद तो ये है कि राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि जिन 22 वोटर कार्ड पर एक ही मॉडल ही तस्वीर है, उन वोटर कार्ड से चुनावों में वोट डाले गए हैं। ये सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि राहुल गांधी जिस वोटर लिस्ट को दिखाकर ये पूरा दावा कर रहे हैं, वो वोटर लिस्ट मतदान के बाद की नहीं बल्कि मतदान से पहले की है। सोचिए मतदान से पहले की वोटर लिस्ट से राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि इन वोटर कार्ड से चुनावों में वोटिंग भी हुई। मीडिया की पड़ताल में राहुल गांधी के दावे झूठे साबित हुए।

सवाल यह भी है कि अगर कोई गड़बड़ी थी तो कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट्स ने संशोधन के दौरान एक ही नाम की एक से अधिक प्रविष्टियों को रोकने के लिए कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की? वहीं अगर कई नामों के दोहराव से बचना था, तो संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) ने कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बिहार और हरियाणा दोनों में कांग्रेस के बूथ एजेंटों ने संशोधन के दौरान दोहराए गए नामों को लेकर कोई दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की। वही सवाल यह भी है कि वोटर लिस्ट चुनाव से पहले उपलब्ध होती है। अगर कोई नाम छूट गया है, तो उसे जुड़वाने की व्यवस्था होती है। वास्तव में, कांग्रेस और कई विपक्षी दल सत्ता हासिल करने के लिए किसी ने किसी बहाने देश की जनता को संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उकसाते रहते हैं। चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई से लेकर तमाम दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। राहुल गांधी तो चुनाव आयोग के अधिकारियों को खुली धमकी दे चुके हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वो जांच करवाएगी। वैसे अब तक चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली को लेकर विपक्ष के आरोप फर्जी और बेबुनियाद ही साबित हुए हैं। प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने मीडिया का परिचय बिहार के कुछ ऐसे लोगों से भी कराया है, जिनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं और इन लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग की तरफ से उनके पास कभी कोई आया ही नहीं और बिना बताए उनका नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिया गया। अब यहां पता है समस्या क्या आ रही है। समस्या ये है कि राहुल गांधी देश को ये बता रहे हैं कि वोटर लिस्ट में क्या त्रुटियां हैं लेकिन चुनाव आयोग जब इन त्रुटियों को सुधारने के लिए वोटर लिस्ट का रिवीजन करना चाहता है तो वो इसका भी विरोध करते हैं। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या राहुल गांधी एसआईआर का समर्थन कर रहे हैं या इसका विरोध? सवाल यह है कि जिन लाखों वोटरों का वोट कटा है, वो चुपचाप अपने घरों में बैठकर राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस का इंतजार क्यों कर रहे थे, उन्हें तो सड़कों पर उतर आना चाहिए था।

वास्तव में, राहुल गांधी एक अगंभीर राजनीतिज्ञ हैं। उनकी राजनीति का मकसद सेवा की बजाय मेवा खाना और कमाना है। देश की जनता से जुड़ाव दिखाने के लिए वो किसान, ड्राइवर, कारपेंटर, हलवाई, कुली या पुताई वाले का अभिनय करते दिखते तो जरूर हैं, लेकिन राजनीति और देश को लेकर उनकी समझ अल्प है। वहीं उनकी एक समस्या यह भी है कि मोदी सरकार के खिलाफ वो जो आरोप लगाते हैं, उनका कोई ठोस आधार या प्रमाण उनके पास नहीं है। चौकीदार चोर है, हिंडनबर्ग रिपोर्ट से लेकर वोट चोरी तक उनके सारे दावे और आरोप हवा हवाई ही साबित हुए हैं। वहीं वो किसी एक मुद्दे पर टिकते नहीं हैं। मोदी सरकार के खिलाफ वो पिछले एक दशक में कई आरोप लगा चुके हैं। लेकिन चंद दिनों के शोर शराबे के बाद वो कोई नया आरोप लगाने लगते हैं।

देश की जनता मोदी और राहुल गांधी के बीच का फर्क सही से समझ रही है। इसलिए कांग्रेस सत्ता से दूर है। राहुल गांधी के पास पक्के सुबूत हों तो उन्हें छाती ठोककर चुनाव आयोग में शपथ पत्र दाखिल कर शिकायत दर्ज करनी चाहिए, अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। लेकिन वो ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि उनके आरोप केवल जनता को उकसाने के लिए हैं, संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं के प्रति नाराजगी का माहौल बनाने का है। कांग्रेस और विपक्ष के कई दलों का इको सिस्टम देश में अस्थिरता, अशांति और अराजकता का माहौल बनाने की फिराक में है। देशी राजनीतिक दलों के इन षड्यंत्रों में विदेशी ताकतें खद पानी मुहैया करवा रही हैं। आजकल राहुल गांधी जेन जी को बहला फुसलाकर सड़कों पर उतारना चाहते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत में राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी को रोकने के लिए भारत के जेन-जी युवाओं को आगे आना होगा। राहुल गांधी बार-बार जेन-जी युवाओं का जिक्र कर रहे हैं, जिससे ये सवाल खड़ा होता है कि क्या वो भारत के युवाओं को सरकार के खिलाफ आंदोलन करने के उकसा रहे हैं? ये आरोप बीजेपी लगा रही है।

पिछले कुछ महीनों में जेन-जी युवाओं ने सिर्फ नेपाल में सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन नहीं किया है, बल्कि मोरक्को, मेडागास्कर, पेरू, फिलीपींस, केन्या और यहां तक कि इंडोनेशिया में भी चुनी हुई सरकारों के खिलाफ जेन-जी युवा हिंसक आंदोलन कर चुके हैं और इनमें कुछ देशों में उन्होंने तख्तापलट भी कर दिया है. पिछले साल बांग्लादेश में भी जो तख्तापलट हुआ था, उसके पीछे भी जेन-जी छात्रों का हिंसक आंदोलन था, जिससे अब बीजेपी राहुल गांधी की मंशा पर सवाल उठा रही है। जिस तरह से विदेशी ताकतें भारत के बढ़ते कदमों को रोकना चाहती हैं। ऐसे में विपक्ष खासकर कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी और व्यवहार इस ओर इशारा करता है कि वो सत्ता हासिल करने के लिए वोट की बजाय तख्तापलट पर ज्यादा यकीन करते हैं। कुल मिलाकर जमीन और जनता से कटे नेता और राजनीतिक दल बिहार चुनाव में अपनी हार को देखकर वोट चोरी का पुराना राग अभी से गाने लगे हैं। राहुल गांधी वोट चोरी का राग सबसे ऊंची आवाज में गा रहे हैं।

नई फ्लैगशिप डिवाइस एक्स300 अल्ट्रा लॉन्च करेगा वीवो

नईदिल्ली ।

वीवो अपनी नई फ्लैगशिप डिवाइस एक्स300 अल्ट्रा जल्द लॉन्च करने जा रही है। हाल ही में वीवो ने एक्स300 और एक्स300प्रो मॉडल्स को पेश किया था, और अब इस सीरीज का सबसे प्रीमियम वर्जन पेश किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, यह फोन मोबाइल फोटोग्राफी को नई ऊंचाई पर ले जाएगा, क्योंकि इसमें दो 200 मेगापिक्सल कैमरे दिए जाने की संभावना है। टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन के अनुसार, वीवो एक्स300 अल्ट्रा में कुल तीन रियर कैमरे होंगे, जिनमें से दो 200 एमपी सेंसर होंगे एक मेन लेंस और दूसरा टेलिफोटो लेंस के रूप में।

कैमरे के सेंसर बड़े और अपग्रेडेड होंगे, जिससे लो-लाइट और डिटेल्ड फोटोग्राफी में बेहतरीन रिजल्ट मिलेंगे। इसका प्राइमरी लेंस 35 एमएम फोकल लेंथ के साथ आ सकता है, जो पोर्ट्रेट, स्ट्रीट और डेली फोटोग्राफी के लिए आदर्श होगा। फोन के डिज़ाइन और परफॉर्मेंस के लिहाज से भी कंपनी कोई समझौता नहीं करने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस स्मार्टफोन में 6.8 इंच का 2के ओलेड डिस्प्ले दिया जाएगा। इसमें स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 चिपसेट का इस्तेमाल किया जाएगा, जो इसे बेहद पावरफुल और स्मूद परफॉर्मेंस देगा।

सॉफ्टवेयर के मोर्चे पर यह डिवाइस एंड्राएड 16 पर आधारित ओरिजीन ओएस 6 पर चलेगा। इसके कैमरा, डिस्प्ले और प्रोसेसर फीचर्स को देखते हुए यह फोन आने वाले समय में फोटोग्राफी प्रेमियों और हाई-एंड यूज़र्स के लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फोन को आईएमईआई डेटाबेस में मॉडल नंबर वी2562 के साथ देखा गया है, जिससे संकेत मिलता है कि यह फोन सिर्फ चीन ही नहीं, बल्कि ग्लोबल मार्केट में भी लॉन्च हो सकता है। संभावना है कि वीवो एक्स300 अल्ट्रा को साल 2026 की दूसरी तिमाही में लॉन्च किया जाएगा।

नई ऑफ-रोड बाइक एक्सपल्स 210 डाकर एडिशन पेश

नईदिल्ली ।

हीरो मोटोकॉर्प ने इटली के मिलान में आयोजित ईआईसीएमए 2025 मोटर शो में अपनी नई ऑफ-रोड बाइक एक्सपल्स 210 डाकर एडिशन पेश की है। कंपनी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन पवन मुंजाल ने इसे लॉन्च करते हुए बताया कि यह मॉडल एक्सपल्स 210 एडिशन का अपग्रेडेड और ज्यादा पावरफुल वर्जन है, जिसमें 'डकार डीएनए' झलकता है। नई एक्सपल्स 210 डाकर एडिशन को विशेष रूप से कठिन और रोमांचक रास्तों के लिए डिजाइन किया गया है। इसका आक्रामक डिजाइन, रैली-स्टाइल बॉडी और व्हाइट, रेड तथा ब्लैक कलर स्कीम इसे रेसिंग लुक देती है।

बाइक में 210सीसी का सिंगल-सिलेंडर, डीओएचसी, 4-वाल्व लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो करीब 24.2 बीएचपी पावर और 20.7 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 6-स्पीड गियरबॉक्स, स्लिपर क्लच, डुअल-चैनल एबीएस और दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक का सेटअप दिया गया है। ऑफ-रोड राइडिंग को और बेहतर बनाने के लिए इसमें एडजस्टेबल सस्पेंशन सिस्टम और मैक्सिस नॉबी टायर्स दिए गए हैं, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतरीन ग्रिप प्रदान करते हैं। बाइक का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन फीचर इसे और आधुनिक बनाते हैं। कंपनी के अनुसार,एक्सपल्स 210 डाकर एडिशन को भारत में नवंबर 2025 के अंत तक लॉन्च किया जाएगा।

फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी जुटाएगी 10,000 करोड़

- आईपीओ से पहले मजबूत करेगी वित्तीय स्थिति

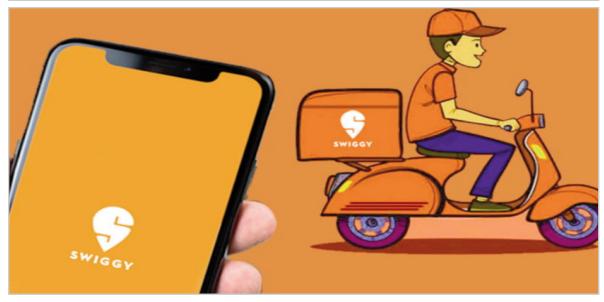

मुंबई । बेंगलुरु की फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने घोषणा की कि उसके बोर्ड ने 10,000 करोड़ रुपये तक की फंडिंग जुटाने की मंजूरी दे दी है। कंपनी यह पूंजी पब्लिक या प्राइवेट ऑफरिंग्स (आईपीओ) के माध्यम से जुटाएगी। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट या अन्य वैध वित्तीय तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। स्विगी ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को फाइलिंग में बताया कि यह फंडिंग एक या एक से अधिक चरणों में की जाएगी, जिसके लिए शेयरधारकों और रेगुलेटरी मंजूरियों की आवश्यकता होगी। कंपनी के अनुसार यह कदम विकास योजनाओं और रणनीतिक लचीलेपन को बढ़ावा देगा। स्विगी ने शेयरधारकों को भेजी चिट्ठी में कहा कि वर्तमान बाजार परिस्थितियों और प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अतिरिक्त फंडिंग जरूरी हो गई है। कंपनी का लक्ष्य है कि वह इस पूंजी का उपयोग व्यवसाय विस्तार और तकनीकी सुधारों में करे, जिससे वह भविष्य के संभावित पब्लिक लिस्टिंग के लिए तैयार हो सके। फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स सेगमेंट में इस समय कड़ी प्रतिस्पर्धा है। हाल ही में स्विगी की प्रतिद्वंद्वी जेप्टो ने 450 मिलियन डॉलर (करीब 4,000 करोड़ रुपए) की फंडिंग जुटाई, जिससे उसकी वैल्यूएशन 7 बिलियन डॉलर पहुंच गई है। इससे क्विक कॉमर्स बाजार में दबाव बढ़ा है। स्विगी ने बताया कि रैपिडो में हिस्सेदारी बेचने के बाद उसके पास फिलहाल 2,400 करोड़ रुपए कैश रिजर्व हैं। बावजूद इसके, कंपनी का मानना है कि तेजी से बदलते बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए पूंजी का भंडार बढ़ाना जरूरी है। इस फंडिंग से स्विगी को न सिर्फ ऑपरेशनल मजबूती, बल्कि भविष्य की ग्रोथ और नवाचार योजनाओं को भी गति मिलेगी।

पाइन लैब्स आईपीओ का पहले दिन 13 फीसदी ही सब्सक्रिप्शन रहा

नई दिल्ली ।

फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स का आईपीओ शुक्रवार को खुला, लेकिन पहले दिन निवेशकों का उत्साह कम रहा। कुल 9.78 करोड़ शेयरों में से केवल 1.29 करोड़ शेयरों के लिए बिड हुई, यानी सब्सक्रिप्शन केवल 13 फीसदी रहा। आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) लगातार घट रहा है। 3 नवंबर को जीएमपी 60 रुपए था, जो अब केवल 5 रुपए रह गया है। इससे संकेत मिलता है कि लिस्टिंग पर शेयर का प्राइस ऑफर प्राइस से ज्यादा नहीं बढ़ेगा। आईपीओ का प्राइस बैंड 210-221 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। निवेशक 11 नवंबर तक इसमें पैसे लगा सकते हैं। पीक एक्सवी पार्टनर्स की 20 फीसदी हिस्सेदारी की वैल्यू अब 4,775 करोड़ रुपए हो गई है। कंपनी के अे धिकारी की हिस्सेदारी की वैल्यू 584 करोड़ रुपए और को-फाउंडर लोकवीर कपूर की हिस्सेदारी लगभग 461 करोड़ रुपए हो गई।

एसबीआई और बड़े निजी बैंक 2030 तक वैश्विक शीर्ष-10 में शामिल होने के लक्ष्य पर

नई दिल्ली।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि आने वाले वर्षों में एसबीआई और दो बड़े निजी क्षेत्र के बैंक 2030 तक बाजार पूंजीकरण के आधार पर दुनिया के शीर्ष-10 बैंक बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि एसबीआई का बाजार पूंजीकरण वर्तमान में 100 अरब डॉलर से ऊपर पहुंच चुका है। हालांकि अे धिकारी ने निजी क्षेत्र के दो बैंकों के नाम नहीं बताए, लेकिन वर्तमान में एचडीएफसी बैंक बैंक 15.11 लाख करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 9.59 लाख करोड़ रुपये के बाजार मूल्यांकन के साथ देश के सबसे मूल्यवान निजी बैंक हैं। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन फिलहाल 8.82 लाख करोड़ रुपये है। संपत्तियों के आधार पर एसबीआई अभी भी भारत का सबसे बड़ा बैंक है और वैश्विक स्तर पर यह 43वें स्थान पर है। एसबीआई का यह बयान ऐसे समय आया है जब केंद्र सरकार बड़े और विश्वस्तरीय बैंक बनाने के लिए विलय की प्रक्रिया पर जोर दे रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि भारत को मजबूत वैश्विक बैंक की आवश्यकता है। एसबीआई 25,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटा रहा है। अधिकारी ने बताया कि यह पूंजी जुटाना विस्तार के लिए नहीं बल्कि बैंक की पूंजी स्थिति मजबूत करने के लिए है। वर्ष के अंत तक बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो 15 फीसदी से ऊपर और कैपिटल 12 फीसदी से अधिक रखने का लक्ष्य है। एसबीआई में इंजीनियरिंग स्नातकों में नौकरी के प्रति बढ़ती रुचि ने बैंक को नई तकनीक अपनाने और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने में मदद की है।

पेट्रोल-डीजल के भाव में मामूली बढ़ोतरी

नई दिल्ली । पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार को नए भाव जारी कर दिए हैं। पटना में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 106.11 रुपए प्रति लीटर हो गई, जबकि शुक्रवार को यह 105.23 थी। डीजल भी 92.32 रुपए प्रति लीटर हो गया, जो शुक्रवार को 91.49 रुपए प्रति लीटर था। पिछले 10 दिनों में कीमतों में हल्का उतार-चढ़ाव देखा गया। देश के विभिन्न राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अलग-अलग हैं। आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 109.37 और डीजल 97.22 रुपए प्रति लीटर सबसे महंगा है, जबकि अंडमान और निकोबार में पेट्रोल 82.46 और डीजल 78.05 रुपए सबसे सस्ता है। दक्षिण भारत में ईंधन की कीमतें अधिक और उत्तर भारत व कुछ केंद्र शासित प्रदेशों में कम हैं। इस बीच, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में दैनिक उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

आरबीआई ने चांदी पर भी लोन की अनुमति दी

- सुविधा 1 अप्रैल 2026 से लागू

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चांदी पर लोन लेने की अनुमति दे दी है। अब लोग अपने पास रखी चांदी के गहने और सिक्के गिरवी रखकर कर्ज ले सकते हैं। इससे आर्थिक आपातकालीन जरूरतों को पूरा करना आसान होगा। यह सुविधा 1 अप्रैल 2026 से सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों में लागू होगी। कमर्शियल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, रीजनल रूरल बैंक (आरआरबी), शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंक, नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियां (एनबीएफसी) और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां यह सुविधा उपलब्ध कराएंगी। गिरवी रखने की सीमा और लोन राशि इस प्रकार रहेगी- चांदी के गहनेः अधिकतम 10 किलोग्राम और चांदी के सिक्के अधिकतम 500 ग्राम। लोन राशि लोन टू वैल्यू रेशो के आधार पर तय होगी, यानी चांदी के मूल्य के अनुपात में कितनी रकम मिल सकती है।

यूग्रो कैपिटल का दूसरी तिमाही में मुनाफा 19 फीसदी बढ़कर 43 करोड़ पहुंचा

मुंबई । गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी यूग्रो कैपिटल का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़कर 43 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 36 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। यूग्रो कैपिटल ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 461 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 343 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी ने 322 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 208 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के संबंध में, सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 2.4 प्रतिशत हो गईं, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2.1 प्रतिशत थी।

श्नाइडर इलेक्ट्रिक का मुनाफा दूसरी तिमाही में घटकर 52 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । श्नाइडर इलेक्ट्रिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 52.32 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले साल की समान तिमाही के 54.27 करोड़ रुपए के मुकाबले 3.54 फीसदी कम है। कंपनी की कुल आय इस तिमाही में बढ़कर 654.58 करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले वर्ष यह 608.64 करोड़ रुपए थी। आय में यह 7.48 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाती है कि कंपनी के कारोबार में वृद्धि जारी है। समीक्षाधीन तिमाही में कुल व्यय भी बढ़कर 584.61 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 544.12 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 7.44 फीसदी अधिक है।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.8 फीसदी से अधिक रहने का अनुमानः सीईए

नई दिल्ली । मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.8 फीसदी से ऊपर रहने की संभावना है। जनवरी में पेश आर्थिक समीक्षा में 6.3 से 6.8 फीसदी के बीच वृद्धि का अनुमान लगाया गया था। नागेश्वरन ने बताया कि जीएसटी कटौती और आयकर राहत से खपत में तेजी आई है। इसके अलावा कृषि, व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएँ और रियल एस्टेट क्षेत्रों की मजबूती ने वृद्धि को बढ़ावा दिया। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.8 फीसदी रही। पिछली तिमाही में यह 8.4 फीसदी थी। चीन की समान अवधि में वृद्धि 5.2 फीसदी रही। भारत अब भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है।

भारत की 30 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय सुधार जरूरी- वर्ल्ड बैंक

मुंबई ।

वर्ल्ड बैंक की ताज़ा फाइनेंस सेक्टर असेसमेंट (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि भारत अगले 20 वर्षों में 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहता है, तो उसे वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की गति तेज करनी होगी। रिपोर्ट ने निजी पूंजी जुटाने और वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का वर्ल्ड क्लास डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सरकारी कार्यक्रमों ने महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच में सुधार किया है। हालांकि महिलाओं के बैंक खातों के वास्तविक उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता बताई गई है। 2017 के बाद से भारत का वित्तीय तंत्र अधिक मजबूत, विविध और समावेशी बन गया है। कैपिटल मार्केट तेजी से बढ़ा, और जीडीपी के 144 फीसदी से बढ़कर लगभग 175 फीसदी तक पहुंच गया। वित्त मंत्रालय ने आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की संयुक्त टीम के मूल्यांकन का स्वागत किया और आगे के सुधारों पर काम जारी रखने की बात कही।

विदेशी बिकवाली और वैश्विक अनिश्चितता से सेंसेक्स-निफ्टी में गिरावट रही

- मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने शेयर बाजार पर बनाया दबाव

मुंबई ।

भारत का शेयर बाजार 7 नवंबर को समाप्त हुए सप्ताह में लगातार उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन दिखाने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछले सप्ताह गुरुनानक जंयती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार, मिश्रित कॉर्पोरेट परिणाम, विदेशी निवेशकों की निरंतर बिकवाली और अमेरिका के साथ टैरिफ वार्ता में अनिश्चितता ने निवेशकों की सतर्कता बढ़ाई और बाजार को कमजोर किया। सप्ताह की शुरुआत मुनाफावसूली और विदेशी फंडों की निकासी के कारण नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 261.39 अंक गिरकर 83,677.32 पर खुला, लेकिन दिन के अंत में 83,978.49 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 62.9 अंक गिरकर 25,659.20 पर खुला और 25,763.35 पर बंद हुआ। निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति, दूसरी तिमाही के कमजोर नतीजे और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर सतर्क रहे।

सेंसेक्स 55 अंक गिरकर 83,923.48 पर खुला और 519.24 अंक गिरकर 83,459.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 40.95 अंक गिरकर 25,722.40 पर खुला और 25,597.65 पर बंद हुआ। वहीं बुधवार को गुरुनानक जयंती के कारण बाजार बंद रहा। गुरुवार को वैश्विक बाजारों में तेजी और ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी के बावजूद सेंसेक्स 376.89 अंक बढ़कर 83,836.04 पर खुला, लेकिन दिन के अंत में 83,311.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 81.5 अंक बढ़कर 25,679.15 पर खुला और 25,509.70 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और वैश्विक कमजोर रुख के कारण शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में सेंसेक्स 631.93 अंक गिरकर 82,679.08 पर खुला और 83,216.28 पर बंद हुआ। निफ्टी 184.55 अंक गिरकर 25,325.15 पर खुला और 25,492.30 पर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली और वैश्विक अनिश्चितता के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं। आने वाले हफ्तों में अमेरिकी ब्याज दर नीति और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता बाजार की दिशा तय करेंगे।

भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए निवेश दर बढ़ाना जरूरीः नीति आयोग सीईओ

- अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता सकारात्मक दिशा में

मुंबई ।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता महीने के अंत तक सफल हो सकती है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में बताया कि वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि जल्द ही इसमें ठोस परिणाम सामने आएंगे। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को 8-9 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखने के लिए अपनी निवेश दर को जीडीपी के 35-36 प्रतिशत तक बढ़ाना होगा, जो वर्तमान में लगभग 30-31 प्रतिशत है। निवेश दर बढ़ाने से देश की आर्थिक वृद्धि में स्थिरता आएगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी। उन्होंने नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि यह नवंबर तक चालू होगा। मिशन के तहत 15 प्रमुख सेक्टर्स पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और 75 स्थानों पर सेक्टोरल क्लस्टर बनाकर भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाया जाएगा। सुब्रह्मण्यम ने मानव पूंजी को आर्थिक विकास का आधार बताया। यदि केवल 1 रुपया निवेश करना हो तो उसे कौशल विकास और शिक्षा पर लगाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में छात्र औसतन 6-7 साल की स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं, जबकि दक्षिण कोरिया में यह अवधि 13-14 साल है। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर खुली अर्थव्यवस्था बनाए रखना चाहिए। विदेशी निवेशक भारत के बाजार और लागत प्रतिस्पर्धात्मकता की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इसके लिए नौकरशाही को कम करना और न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन के सिद्धांत पर ध्यान देना जरूरी है।

गोल्डमैन सैक्स ने भारत से रिकॉर्ड 49 प्रबंध निदेशक बनाए

नई दिल्ली । गोल्डमैन सैक्स ने भारत से 49 लोगों को प्रबंध निदेशक (एमडी) पद पर पदोन्नत किया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस कदम से बेंगलूरु के प्रौद्योगिकी केंद्र की वैश्विक महत्वता और बैंक के भारतीय संचालन में उसकी प्राथमिकता का संकेत मिलता है। पदोन्नति में बेंगलूरु से 38, मुंबई से 6 और हैदराबाद से 5 लोग शामिल हैं। 2023 में यह संख्या 35 थी। मुंबई कार्यालय बैंक के भारतीय व्यवसाय का संचालन करता है, जबकि बेंगलूरु कार्यालय फर्म का प्रमुख वैश्विक तकनीकी केंद्र है। गोल्डमैन सैक्स ने दुनिया भर के 638 लोगों को एमडी बनाया। अमेरिका के कर्मचारियों की हिस्सेदारी 56 फीसदी (358 लोग) और ईएमईए क्षेत्र की 25 फीसदी (159 लोग) है। भारत से 94 नागरिक एमडी बने हैं। गोल्डमैन भारत के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में कदम रखने वाली शुरुआती कंपनियों में से एक रही है, जिसने 2004 में आईटी और अन्य बैक ऑफिस सहायता से जुड़ी गतिविधियों के लिए बेंगलूरु में कार्यालय स्थापित किया था। पिछले दो दशक में उसके संचालन में कई गुना वृद्धि हुई है और अब इसमें कॉरपोरेट नकदी प्रबंधन, तरलता प्रबंधन जैसे बैंकिंग कार्यों की व्यापक श्रृंखला शामिल है।

अभिनेत्री कटरीना ने दिया बेटे को जन्म, स्टार्स और फैंस ने दी बधाईयां

विकी-कैट ने शेयर की पोस्ट लिखा- हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं

कटरीना कैफ और विकी कौशल के फैंस के लिए अच्छी खबर है। कटरीना ने एक बेटे को जन्म दिया है। बेटे के जन्म के साथ ही कैटरीना और विकी की फैमिली में खुशियों का माहौल है। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा पोस्ट कर सबको ये खुशखबरी दी, जिसपर स्टार्स और फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं। दोनों ने पोस्ट शेयर कर लिखा- हमारे घर खुशियां आई हैं। हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं... 7 नवंबर 2025। कटरीना और विकी। इस पोस्ट को शेयर कर विकी ने लिखा- 'आशीर्वाद'। सब सेलेब्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। करीना ने लिखा- कैटज्वेलकम टू बॉय मम्मा क्लब। तुम्हारे और विकी के लिए बहुत खुश हूं। प्रियंका चोपड़ा ने लिखा- दोनों के लिए बहुत खुश हूं, बधाई। आयुष्मान खुराना ने लिखा- बेस्ट न्यूजज्दोनों को बधाई।

बता दें 23 सितंबर को विकी और कटरीना ने अनाउंस किया था कि दोनों जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। उन्होंने लिखा था कि ये उनकी लाइफ का बेस्ट चैप्टर है। विकी ने कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में पिता की जर्नी शुरू होने से पहले कहा था कि मैं काफी एक्साइटेड हूं और ये बहुत बड़ा आशीर्वाद है। एक्साइटिंग टाइम है और फिंगर क्रॉस। बता दें विकी और कटरीना ने 2021 में शादी की थी। दोनों की जोड़ी फैंस की फेवरेट जोड़ी में से एक है। काफी समय से कटरीना की प्रेग्नेंसी की खबरें आ रही थीं, लेकिन दोनों ने इसे छिपाकर रखा था और सितंबर में फिर सबको गुड न्यूज दी थी।

सोनाली ने कन्नड़ फिल्म चेलुवी से की थी कॅरियर की शुरुआत

अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी भारतीय सिनेमा की उन अदाकाराओं में से हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से भाषाओं और सीमाओं की दीवारें तोड़ दीं। हिंदी और मराठी फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस सोनाली ने अपने करियर की शुरुआत 1992 में मशहूर निर्देशक गिरीश कर्नाड की कन्नड़ फिल्म चेलुवी से की थी। यह फिल्म न सिर्फ नेशनल अवॉर्ड विनर रही, बल्कि कांस फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई, जिससे सोनाली को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिली। सोनाली कुलकर्णी की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि उन्होंने सात अलग-अलग भाषाओं कन्नड़, मराठी, हिंदी, तमिल, गुजराती, अंग्रेजी और इतालवी में काम किया है। इस विविधता के कारण उन्हें 卐बहुभाषी सुपरस्टार卐 कहा जाता है। उन्होंने न केवल भारत की फिल्मों में बल्कि हॉलीवुड और यूरोपियन सिनेमा में भी अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया।

पढ़ाई के साथ-साथ सोनाली ने बचपन से ही कला और नृत्य में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने भरतनाट्यम में 11 साल तक प्रशिक्षण लिया और पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया।

मराठी साहित्य में स्कॉलरशिप पाने के बाद भी उनका दिल अभिनय की ओर खिंचता चला गया। कॉलेज के दिनों में पहली फिल्म साइन करते वक्त उन्हें क्लास मिस होने की चिंता थी, मगर गिरीश कर्नाड के प्रोत्साहन ने उनकी दिशा तय कर दी। सोनाली की पहली मराठी फिल्म मुक्ता (1994) थी, जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हिंदी फिल्मों में वह दिल चाहता है, मिशन कश्मीर, डरना जरूरी है, और सिंघम जैसी फिल्मों से पहचानी जाती हैं, जबकि मराठी सिनेमा में देवराई, दोघी, कैरी, सखी और देऊळ जैसी फिल्मों ने उन्हें विशेष लोकप्रियता दिलाई।

अभिनय के साथ-साथ सोनाली एक सफल लेखिका भी हैं। उन्होंने मराठी अखबार में 'सो कूल' नाम से कॉलम लिखा, जो इतना लोकप्रिय हुआ कि लोग उन्हें उसी नाम से पहचानने लगे। सोनाली को उनके अभिनय और बहुभाषी योगदान के लिए कई सम्मान मिले हैं, जिनमें मिलान फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड (2006), चार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवॉर्ड शामिल हैं। पर्सनल लाइफ में उन्होंने पहले मराठी निर्देशक चंद्रकांत कुलकर्णी से शादी की थी, बाद में 2010 में टीवी एग्जीक्यूटिव नचिकेत पंतवैद्य से विवाह किया। उनकी एक बेटी है।

इंडिपेंडेंट फिल्मों के सामने कई बाधाएं मौजूद: किरण राव

फिल्ममेकर किरण राव ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने फिल्मों की पहुंच तो बढ़ाई है, लेकिन थिएटर में जाकर फिल्म देखने का अनुभव आज भी दर्शकों के लिए खास मायने रखता है। फिल्ममेकर किरण राव ने 14वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान अपने विचार साझा किए। किरण राव ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में फिल्म निर्माण और वितरण के तरीके काफी बदले हैं, लेकिन इंडिपेंडेंट फिल्मों के सामने अब भी कई बाधाएं मौजूद हैं। उन्होंने भारत की ऑस्कर प्रविष्टि फिल्म होमबाउंड का उदाहरण देते हुए कहा कि अब दर्शकों का स्वाद पहले से कहीं ज्यादा बदल चुका है। 卐पहले लोग केवल बड़े सितारों वाली फिल्मों को पसंद करते थे, लेकिन अब दर्शक नई कहानियों, नए चेहरे और अनोखे विषयों की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। इसका बड़ा श्रेय ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को जाता है, जिन्होंने फिल्मों को घर-घर तक पहुंचाने का काम किया है,' उन्होंने कहा। हालांकि, राव ने एक अहम सवाल भी उठाया 'क्या दर्शक इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए पैसे देने को तैयार हैं?' उन्होंने कहा, 卐यह हर फिल्ममेकर के मन में उठने वाला सबसे बड़ा सवाल है। क्या कोई दर्शक 150 रुपये देकर होमबाउंड या सबर बोंडा जैसी फिल्में देखने थिएटर तक जाएगा? अगर लोग नहीं आएंगे, तो इतनी मेहनत, समय और संसाधन लगाने का क्या मतलब रह जाएगा?卐 किरण राव, जो पिछले एक दशक से इंडिपेंडेंट सिनेमा को प्रोत्साहित कर रही हैं, ने बताया कि इन फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती उनकी डिस्ट्रिब्यूशन है। उन्होंने कहा, 'फिल्में बन जाती हैं, लेकिन उन्हें सही मंच तक पहुंचाना मुश्किल है। बड़े बजट की फिल्मों की तुलना में इंडिपेंडेंट फिल्मों को थिएटर स्क्रीन या प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर जगह पाना आज भी कठिन है।' उन्होंने यह भी कहा कि इंडिपेंडेंट सिनेमा भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की रचनात्मक आत्मा है, लेकिन इसके लिए दर्शकों का सहयोग जरूरी है। 'अगर हम चाहते हैं कि विविधता भरी कहानियां कही जाएं, तो हमें भी ऐसी फिल्मों को देखने और समर्थन देने की आदत डालनी होगी,' उन्होंने कहा। किरण राव का यह बयान आज के दौर में इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स के संघर्ष और दर्शकों की जिम्मेदारी दोनों पर गहराई से रोशनी डालता है। मालूम हो कि भारत में इंडिपेंडेंट फिल्मों का सफर हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। शानदार कहानियों और उम्दा अभिनय के बावजूद इन फिल्मों को सही दर्शकों तक पहुंचाना अक्सर सबसे कठिन काम बन जाता है।

'जटाधारा' रिलीज़ से पहले ही जबरदस्त चर्चा में

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू अभिनीत मैग्नम ओपस 'जटाधारा' अपनी रिलीज़ से पहले ही जबरदस्त चर्चा में है। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी 'जटाधारा' की टीम ने इसकी प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए वास्तविक तांत्रिक अनुष्ठानों का आयोजन किया, जिससे दृश्यों में आध्यात्मिक ऊर्जा और वास्तविकता झलके।

फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए इन अनुष्ठानों में असली मंत्रों का जाप किया गया और प्रशिक्षित तांत्रिकों की देखरेख में पूरा माहौल तैयार किया गया। यह फिल्म न केवल एक अलौकिक ड्रामा है, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और रहस्यमय अनुष्ठानों से जुड़ी एक गहरी सिनेमाई यात्रा भी है। निर्देशक वेंकट कल्याण ने कहा, 卐हम केवल रहस्यमयी ऊर्जा को दिखाना नहीं, बल्कि उसे महसूस करना चाहते थे। 'जटाधारा' जैसी कहानी सिर्फ इफेक्ट्स से नहीं, बल्कि उस भावनात्मक गहराई से जुड़ती है जो मनुष्य को अदृश्य से संबंध जोड़ने की प्रेरणा देती है।卐 फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने बताया कि 'जटाधारा' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था और निडरता से जन्मा एक अनुभव है। उन्होंने कहा, 卐हम ऐसा संसार बनाना चाहते थे जो सच्चा और आत्मिक लगे। हर मंत्र, हर भावना वास्तविकता से उपजी थी। सेट का माहौल इतना शक्तिशाली था कि ऐसा लगता

था मानो सिनेमा और दिव्यता का संगम हो गया हो।卐 सह-निर्देशक अभिषेक जायसवाल ने भी कहा कि इस फिल्म में विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर रहने के बजाय प्रामाणिकता पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'जो ध्वनि और कंपन प्राचीन अनुष्ठानों में होती है, वही दर्शकों तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य था। सेट पर वे पल बेहद ऊर्जावान थे और यकीन है दर्शक भी उसकी तीव्रता को महसूस करेंगे।' 'जटाधारा' ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसे उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने मिलकर बनाया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, रोहित पाठक और झांसी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

छोटी फिल्मों का थियेटर में जगह बनाना मुश्किल: हुमा कुरैशी

सीमित संसाधनों में बनी छोटी फिल्मों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है थिएटर में स्क्रीन और शो टाइम की कमी। यही वजह है कि कई बार मजबूत कहानी और उत्कृष्ट अभिनय के बावजूद, ये फिल्में दर्शकों तक नहीं पहुंच पातीं। इसी मुददे को लेकर हाल ही में अभिनेत्री और निर्माता हुमा कुरैशी ने इसी मुद्दे पर खुलकर आवाज उठाई। उनकी फिल्म सिंगल सलमा को देशभर में बेहद सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया, जिससे उन्होंने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की। हुमा ने लिखा, 'सिंगल सलमा' जैसी फिल्मों में न तो बड़े स्टार होते हैं और न ही करोड़ों का मार्केटिंग बजट। ऐसे में थिएटर में अपनी जगह बनाना बेहद मुश्किल हो जाता है। सिस्टम अब भी उन्हीं फिल्मों को

प्राथमिकता देता है, जिनमें बड़ा नाम या बड़ा पैसा जुड़ा होता है।' हुमा की इस पोस्ट ने दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री दोनों में व्यापक बहस छेड़ दी। देश के कई शहरों—जैसे दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता और पटना के फैंस ने उनकी बात का समर्थन किया और थिएटर मालिकों से फिल्म के शो बढ़ाने की मांग की। कई दर्शकों ने सोशल मीडिया पर टिकट बुकिंग ऐप्स के स्क्रीनशॉट साझा किए, जिनमें दिख रहा था कि सिंगल सलमा के शो या तो हाउसफुल हैं या फिर उपलब्ध ही नहीं। इससे साफ है कि दर्शकों की दिलचस्पी मौजूद है, लेकिन थिएटर वितरण प्रणाली की असमानता के कारण उन्हें मौका नहीं मिल पा रहा।

'फोन भूत' का क्लिप साझा कर जैकी श्रॉफ ने यादें की ताजा

बॉलीवुड की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'फोन भूत' के तीन साल पूरे होने पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी यादें ताजा कीं। फिल्म का क्लिप साझा करते हुए जैकी ने कैप्शन में लिखा, 'फिल्म फोन भूत के रिलीज के तीन साल पूरे हो गए हैं।' एक्टर के इस पोस्ट के बाद फैंस ने कमेंट सेक्शन में फिल्म के मजेदार पलों को याद करते हुए उन्हें बधाई दी। कहानी दो दोस्तों मेजर (सिद्धांत चतुर्वेदी) और गुल्लू (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें भूतों का खासा शौक होता है। उनके घर की दीवारें और सजावट भूतिया माहौल का अहसास कराती हैं। एक दिन दोनों भूतिया थीम वाली पार्टी का आयोजन करते हैं, लेकिन उसी दौरान उन्हें करंट लग जाता है। इसके बाद उन्हें एक भटकती आत्मा रागिनी (कैटरीना कैफ) दिखाई देती है, जो तांत्रिक आत्माराम (जैकी श्रॉफ) से अपने प्रेमी को बचाने के लिए उनकी मदद चाहती है। रागिनी दोनों को एक बिजनेस आइडिया देती है और उन्हें 'फोन भूत हेल्पलाइन' शुरू करने के लिए प्रेरित करती है, ताकि वे लोगों को भूतों से निजात दिला सकें। वह यह वादा भी करती है कि वह उन्हें पैसा और शोहरत दिलाने में मदद करेगी। शुरुआत में सब कुछ मजेदार ढंग से चलता है, लेकिन कहानी में मोड़ तब आता है जब दोनों को पता चलता है कि रागिनी असल में आत्माराम से बदला लेने के मकसद से उनके पास आई थी, क्योंकि उसी तांत्रिक ने उसकी जिंदगी तबाह कर दी थी। जैकी श्रॉफ का किरदार फिल्म में रहस्यमय और डरावना दोनों था, जिसने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। अपने करियर में जैकी अब तक 220 से ज्यादा फिल्मों में नजर आ चुके हैं। एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी हर शैली में उन्होंने अपनी अलग छाप छोड़ी है। अब अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा' में दिखाई देंगे, जिसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है। इस फिल्म में जैकी के साथ नीना गुप्ता, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंट्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित की गई है। 'तू मेरी मैं तेरा' 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मालूम हो कि गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म फोन भूत में कैटरीना कैफ, सिद्धांत चतुर्वेदी, ईशान खट्टर, जैकी श्रॉफ और शीबा चड्ढा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे।

मीना कुमारी का किरदार निभाएगी कियारा आडवाणी

मदरहुड का आनंद लेने का बाद एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने अपनी पहली फिल्म साइन कर ली है, जो बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा मीना कुमारी की जिंदगी पर आधारित होगी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी पर आधारित बायोपिक 'कमाल और मीना' की घोषणा की थी। तब से यह चर्चा में था कि इस फिल्म में 卐ट्रेजेडी क्वीन卐 मीना कुमारी का किरदार कौन निभाएगा। लंबे समय से कृति सेनन और कियारा आडवाणी के नामों को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब एक रिपोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि कियारा आडवाणी को इस

प्रतिष्ठित रोल के लिए फाइनल कर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्ममेकर को कियारा में वह भावनात्मक गहराई और विंटेज बॉलीवुड चार्म मिला है, जो मीना कुमारी के किरदार के लिए जरूरी था। बताया गया है कि कियारा इस भूमिका की तैयारी में पूरी तरह जुटने वाली हैं।

फिर से वायरल हो रहे ऐश्वर्या और अभिषेक के पुराने बयान

पिछले साल से बॉलीवुड कपल्स ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच दूरियों और तलाक की अफवाहें लगातार चर्चा में हैं। कपल्स के पुराने इंटरव्यू और बयान सोशल मीडिया पर फिर से वायरल हो रहे हैं, जिनसे पता चलता है कि कभी यह कपल अपने रिश्ते को लेकर कितना खुलकर बात करता था। साल 2007 में शादी के बंधन में बंधे ऐश्वर्या और अभिषेक की जोड़ी को फैंस आज भी 卐परफेक्ट कपल卐 मानते हैं। दोनों शादी के बाद टीवी होस्ट ओपरा विंफ्रे के शो पर भी नज़र आए थे, जहां उन्होंने अपनी लव स्टोरी से लेकर शादी तक के सफर के बारे में खुलकर बात की थी। अभिषेक ने उस शो में बताया था कि उन्होंने ऐश्वर्या को न्यूयॉर्क के एक होटल की बालकनी में फिल्म गुरु की शूटिंग के दौरान प्रपोज किया था।

इसी शो के दौरान ओपरा ने भारतीय शादियों की भव्यता पर चर्चा करते हुए कहा था कि इतनी ग्रैंड शादी के बाद अगर दिक्कतें आती हैं, तो तलाक लेना कितना मुश्किल होता है। इस सवाल पर ऐश्वर्या राय बच्चन ने बेहद सधे अंदाज में जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि वह और अभिषेक तलाक के बारे में कभी सोचते भी नहीं हैं। ऐश्वर्या ने मुस्कुराते हुए कहा था, 卐हम कोशिश भी नहीं करते हैं कि इस बारे में सोचें।卐 इस इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने अभिषेक के परिवार के साथ रहने पर भी बात की थी और बताया था कि वह खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें इतना प्यार करने वाला परिवार मिला है। उनकी यह स्पष्ट और सकारात्मक सोच उस वक्त भी लोगों को खूब पसंद आई थी।

आज जब उनके रिश्ते को लेकर तरह-तरह की बातें की जा रही हैं, तो उनके पुराने बयान एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गए हैं। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि यह पावर कपल इन अफवाहों को जल्द ही पीछे छोड़कर फिर से एक साथ मीडिया के सामने नजर आए। बता दें कि बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल्स में शुमार ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पिछले साल से दोनों के बीच दूरियों और तलाक की अफवाहें लगातार चर्चा में हैं। हालांकि, अब तक न तो ऐश्वर्या और न ही अभिषेक ने इस पर कोई आधिकारिक बयान दिया है।

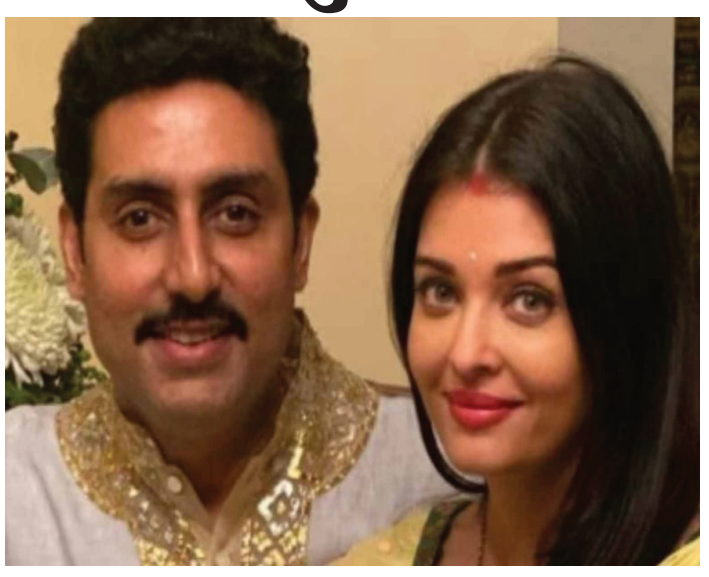

बारिश ने रोका रोमांच, भारत ने 2-1 से जीती टी20 सीरीज

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले गए पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में बारिश ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही रोमांचक भिड़ंत को अधूरा छोड़ दिया। मुकाबला रद्द होने के साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली और दौरे का समापन विजयी अंदाज में किया। ओपनर अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने भारतीय पारी की शानदार शुरुआत की थी, लेकिन मौसम ने खेल में खलल डाल दिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने तेजी से रन जुटाने शुरू किए। अभिषेक शर्मा ने 13 गेंदों पर नाबाद 23 और शुभमन गिल ने 16 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए। दोनों ने मात्र 4.5 ओवरों में 52 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। गिल के क्लासिक शॉट्स और अभिषेक के आक्रामक अंदाज ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर दबाव बना दिया।

ऑस्ट्रेलिया की फील्डिंग निराशाजनक रही। ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारशुइस ने अभिषेक शर्मा के दो आसान कैच छोड़ दिए, जिनका भारतीय बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। गिल ने खास तौर पर ड्वारशुइस की गेंदबाजी पर हमला करते हुए लगातार तीन चौके जड़े और पावरप्ले में टीम को तेज शुरुआत दिलाई। लेकिन जैसे ही भारत का स्कोर 4.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 52 रन पहुंचा, मैदान पर बिजली गिरने की चेतावनी मिली और कुछ ही देर में तेज बारिश शुरू हो गई। इसके बाद हालात खेल के लायक नहीं रहे और अंपायरों ने मैच रद्द करने का फैसला लिया।

इस परिणाम के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच चार विकेट से जीता था, जबकि भारत ने तीसरे और चौथे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की थी। सीरीज के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने न केवल संतुलित टीम संयोजन दिखाया बल्कि नई पीढ़ी की बल्लेबाजी ताकत का भी परिचय कराया। बारिश ने भले आखिरी मैच का मजा किरकिरा कर दिया, लेकिन सीरीज जीत के साथ टीम इंडिया ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा।

सबालेंका ने अनिसिमोवा को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल में बनाई जगह

–खिताबी जंग में भिड़ेंगी रयबाकिना से

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने दमदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। तीन सेट तक चले इस रोमांचक मैच में शुरुआती दौर में अनिसिमोवा ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्णायक पलों में सबालेंका का अनुभव भारी पड़ा।

पहले सेट में सबालेंका ने अपने पावरफुल सर्व और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक्स की बदौलत 6-3 से जीत दर्ज की। हालांकि, दूसरे सेट में उनकी लय बिगड़ गई और अनिसिमोवा ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार गेम जीतकर 4-0 की बढ़त बना ली। सबालेंका ने कोशिश की, लेकिन यह सेट 6-3 से अनिसिमोवा के नाम रहा। निर्णायक तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने ऐस की झड़ी लगाकर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर एक बेहतरीन बैकहैंड विनर से ब्रेक हासिल करते हुए मैच का पासा पलट दिया। आखिरकार उन्होंने तीसरा सेट भी 6-3 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

दूसरी ओर, कजाखस्तान की एलेना रयबाकिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिका की जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ रयबाकिना का अपराजेय क्रम जारी रहा और वह भी फाइनल में पहुंच गईं। दोनों के बीच अब तक खेले गए 13 मैचों में सबालेंका 8-5 से आगे हैं, जिसमें 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में उनकी यादगार जीत भी शामिल है। मुकाबले से पहले सबालेंका ने कहा, 'यह एक और शानदार जंग होगी। एलेना शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन मैं भी इस खूबसूरत ट्रॉफी के लिए आखिरी मैच में पूरी ताकत झोंकने को तैयार हूं।'

ऋषभ पंत के मोरेकी की गेंदों पर तीन बार चोट लगी, दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ रिटायर हर्ट हुए

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका ए दूसरे अनाधिकृत टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को चोट लगने के बाद रिटायर हर्ट होकर वापस लौटना पड़ा। आज यहां बेंगलुरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जा रहे मैच के तीसरे दिन के पहले सत्र में पंत को तेज गेंदबाज शेपो मोरेकी की गेंदों पर तीन बार चोट लगी। यह चोट उनके शरीर और हेलमेट पर लगी, जिसके बाद उन्हें 34वें ओवर में रिटायर हर्ट होना पड़ा।

पंत तीसरे ओवर में नंबर पांच पर बल्लेबाजी के लिए आए थे, जब ओवरनाइट बल्लेबाज केएल राहुल को ओकुह्ले सेले ने 27 रन पर बोल्ड कर दिया। पंत ने शुरुआत में तेजी से रन बनाए और उनके पहले तीन शॉट्स 4, 4 और 6 रन थे। लेकिन शॉर्ट गेंदों पर उनके शरीर पर लगे प्रहारों से उन्हें दर्द महसूस होने लगा।

पंत आगे बल्लेबाजी जारी रखना चाहते थे, लेकिन भारत ए के कोच हृषिकेश कानितकर और फिजियो ने एहतियातन उन्हें रिटायर हर्ट होने को कहा। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में होने वाले पहले टेस्ट में भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इसे देखते हुए उन्हें एहतियातन मैदान से वापस बुलाया गया है।

पहली चोट उन्हें तब लगी, जब उन्होंने मोरेकी की शॉर्ट गेंद पर रिवर्स पिक अप शॉट खेलने का प्रयास किया और गेंद सीधे हेलमेट पर लगी। वह संतुलन खो बैठे और जमीन पर गिर गए। फिजियो ने तुरंत कन्कशन टेस्ट किया और क्लियरेंस मिलने के बाद उन्होंने फिर बल्लेबाजी शुरू की। दूसरी चोट उनके दाहिने कोहनी पर लगी। फिजियो ने इसके बाद उन्हें स्प्रे किया और कोहनी पर टेप भी बांधा। तीसरी चोट उनके पेट पर लगी। इससे उन्हें बेहद तकलीफ हुई, जिसके बाद टीम प्रबंधन ने उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से कोलकाता और 22 नवंबर से गुवाहाटी में दो टेस्ट खेले जायेंगे।

अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास, सबसे कम गेंदों में पूरे किए टी20 इंटरनेशनल के 1000 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। उन्होंने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 1000 रन पूरे कर लिए, और यह उपलब्धि उन्होंने सबसे कम गेंदों में हासिल की। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अभिषेक ने 528 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया, जबकि सूर्यकुमार यादव ने 573 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे। इस तरह वह टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। दुनिया के फुल मेंबर देशों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले बल्लेबाजों में अभिषेक अब शीर्ष पर हैं। उनके बाद फिल सॉल्ट (599 गेंद), ग्लेन मैक्सवेल (604 गेंद) और आंद्रे रसेल व फिन एलन (609 गेंद) का नाम आता है।

अभिषेक शर्मा ने अब तक 28 पारियों में 189.51 के स्ट्राइक रेट से एक हजार से अधिक रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 6 अर्धशतक और 2 शतक लगाए हैं। वह दुनिया में सबसे कम पारियों में एक हजार रन पूरे करने वाले पांचवें बल्लेबाज बने हैं। इंग्लैंड के डेविड मलान ने केवल 24 पारियों में यह आंकड़ा पार किया था। भारतीय बल्लेबाजों में यह रिकॉर्ड पहले विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 27 पारियों में 1000 रन पूरे किए थे। अभिषेक ने यह उपलब्धि सिर्फ एक पारी पीछे रहकर हासिल की और कोहली के बाद भारत के लिए यह मुकाम छूने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए।

गाबा में खेले जा रहे इस मैच में अभिषेक को शुरुआती ओवरों में ही दो जीवनदान मिले, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया और एक बार फिर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम के लिए शानदार शुरुआत दिलाई। जारी टी20 सीरीज में वह अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं, जिससे टीम इंडिया को निर्णायक मुकाबले में मजबूत स्थिति मिली है।

सबसे कम गेंदों में 1000 अंतरराष्ट्रीय टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ी

528 अभिषेक शर्मा
573 सूर्यकुमार यादव
599 फिल साल्ट
604 ग्लेन मैक्सवेल
609 आंद्रे रसेल/ फिन एलन

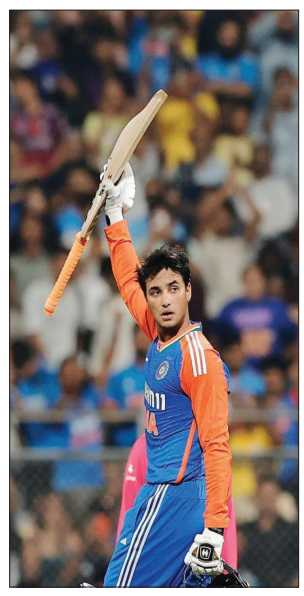

टी20 सीरीज जीत पर सूर्यकुमार यादव बोले – सभी खिलाड़ियों ने निभाई अहम भूमिका

ब्रिस्बेन । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया पांचवां और आखिरी टी20 मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया, जिसके साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मैच रद्द होने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम की जीत का श्रेय अपने सभी खिलाड़ियों को दिया। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पिछड़ने के बाद टीम ने जिस तरह वापसी की, वह काबिले तारीफ है। सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'यह जीत हर खिलाड़ी के सामूहिक प्रयास का नतीजा है। हम सीरीज में 0-1 से पीछे थे, लेकिन उसके बाद टीम ने जिस आत्मविश्वास और जज्बे के साथ वापसी की, वह शानदार रही। चाहे बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या फील्डिंग सभी विभागों में हमने शानदार खेल दिखाया।' कप्तान ने अपनी तेज़ गेंदबाज़ी जोड़ी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ' 'बुमराह और अर्शदीप एक घातक जोड़ी बन चुके हैं। वहीं, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने भी अपनी जिम्मेदारी को शानदार ढंग से निभाया। वॉशिंगटन सुंदर ने पिछले मैच में शानदार योगदान दिया। अब ये खिलाड़ी काफी टी20 क्रिकेट खेल चुके हैं और खुद पर भरोसा करना सीख गए हैं।' सूर्यकुमार ने आगे कहा कि भारतीय टीम के लिए आने वाले महीने बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उसे तीन मजबूत टीमों ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है।

आईसीसी ने बढ़ाई महिला वनडे विश्व कप की टीमों की संख्या, 2029 में 10 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बड़ा फैसला लिया है। आईसीसी ने हाल ही में घोषणा की कि महिला वनडे विश्व कप 2029 में अब आठ नहीं, बल्कि 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत द्वारा 2 नवंबर को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह निर्णय लिया गया। इस मैच में स्टेडियम खचाखच भरा था, जिसने महिला क्रिकेट की लोकप्रियता के नए आयाम स्थापित किए।

आईसीसी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'बोर्ड इस टूर्नामेंट की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित है। इसलिए 2029 विश्व कप में भाग लेने वाली टीमों की संख्या को बढ़ाकर 10 किया गया है।' आईसीसी ने बताया कि इस बार के टूर्नामेंट ने दर्शकों की संख्या के मामले में नया इतिहास रचा करीब 3 लाख लोगों ने मैच स्टेडियम में देखा, जबकि भारत में लगभग 50 करोड़ दर्शकों ने इसे टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देखा। यह अब तक किसी भी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए रिकॉर्ड है। महिला क्रिकेट के समान विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी ने अपने सहयोगी सदस्य देशों के लिए वित्तीय सहायता में 10 प्रतिशत वृद्धि की भी मंजूरी दी है। यह कदम खेल के वैश्विक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके अलावा आईसीसी ने 'प्रोजेक्ट यूएसए' पर भी पहली रिपोर्ट पेश की। यह योजना अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड के निलंबन के बाद शुरू की गई थी ताकि खिलाड़ियों के विकास और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उनकी निरंतर भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। यह प्रोजेक्ट लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में क्रिकेट को सफलतापूर्वक शामिल करने और अमेरिकी टीमों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर केंद्रित है।

मिताली और मजूमदार को आईसीसी महिला क्रिकेट समिति में शामिल किया गया

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट के लिए गौरव का क्षण है। पूर्व कप्तान मिताली राज और मौजूदा टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला क्रिकेट समिति में शामिल किया गया है। यह निर्णय उस समय आया है जब कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार वनडे विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम किया। भारत ने मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर महिला क्रिकेट में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। इस मुकाबले को लगभग 3 लाख दर्शकों ने स्टेडियम में देखा, जो किसी भी महिला क्रिकेट इवेंट के लिए अब तक की सबसे बड़ी उपस्थिति रही। आईसीसी के आधिकारिक बयान में कहा गया, 'आईसीसी बोर्ड ने महिला क्रिकेट समिति के कई नए सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दी है, जिनमें एश्ले डी सिल्वा, मिताली राज, अमोल मजूमदार, बेन सॉयर, शार्लोट एडवर्ड्स और साला स्टेला सियाले-वैआ शामिल हैं।' आईसीसी महिला क्रिकेट समिति का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर महिला क्रिकेट के विकास, प्रगति और प्रचार को बढ़ावा देना है। यह समिति महिला क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों पर सलाह देती है और खेल की शर्तों, नियमों तथा विनियमों की समीक्षा करके सुधारों की सिफारिश करती है ताकि सभी फॉर्मेट में निष्पक्षता और स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। समिति महिला विश्व कप और टी20 विश्व कप जैसे आईसीसी टूर्नामेंटों की संरचना, योग्यता प्रक्रिया और शेड्यूलिंग पर भी इनपुट प्रदान करती है। इसके अलावा, यह प्रतिभा विकास और खिलाड़ियों के करियर मार्गदर्शन से जुड़ी नीतियां बनाने में मदद करती है तथा समानता, समावेशिता और दृश्यता को बढ़ाने के लिए भी काम करती है।

सुल्तान अजलान शाह कप के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, सीनियर खिलाड़ियों को आराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंडर संजय 31वें सुल्तान अजलान शाह कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को 23 से 30 नवंबर तक मलेशिया के इपोह में होने वाले प्रतिष्ठित आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए आराम दिया गया है।

भारत की पहली पसंद के दोनों गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा को आराम दिया गया है। उनकी जगह पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार को टीम में चुना गया है। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह और स्ट्राइकर मनदीप सिंह भी टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। संजय, जुगराज सिंह और अमित रोहिदास तीन सीनियर खिलाड़ी हैं जिन्हें रक्षात्मक पंक्ति में रखा गया है।

उनके अलावा पूवन्ना चंदूरा बॉबी, नीलम संजीप जेस और यशदीप सिवाच भी रक्षापंक्ति में शामिल हैं। मध्य पंक्ति की जिम्मेदारी राजेंद्र सिंह, राजकुमार पाल, नीलकांत शर्मा, रविचंद्रन सिंह, विवेक सागर और मोहम्मद रहीम मोसीन के कंधों पर होगी। सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे।

टूर्नामेंट के लिए स्टैंडबाय में वरुण कुमार, विष्णु कांत सिंह, हार्दिक सिंह और अंगद बीर सिंह शामिल हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'सुल्तान अजलान शाह कप हमेशा से ही अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट रहा है और हम एक संतुलित टीम के साथ इसमें भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। हमें इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है।'

भारत अपने अभियान की शुरुआत 23 नवंबर को कोरिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद वह बेल्जियम (24 नवंबर), मेजबान मलेशिया (26 नवंबर), न्यूजीलैंड (27 नवंबर) और कनाडा (29 नवंबर) के खिलाफ मैच खेलेगा। यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें शीर्ष दो टीमें 30 नवंबर को होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत ने आखिरी बार 2010 में सुल्तान अजलान शाह कप का खिताब जीता था और 2019 में उपविजेता रहा था।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर : पवन, मोहित शशिकुमार

डिफेंडर : चंदूरा बॉबी, नीलम संजीप जेस, यशदीप सिवाच, संजय, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास

मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, मोइरांगथेम सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोहम्मद राहील मौसीन

फॉरवर्ड : सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक

स्टीव वॉ, सचिन नहीं विराट को मानते हैं एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ की नजर में सचिन तेंदुलकर नहीं बल्कि विराट एकदिवसीय क्रिकेट के सबसे महान खिलाड़ी हैं। वॉ के अनुसार कोहली को वह सचिन के मुकाबले अधिक नंबर इसलिए देते हैं क्योंकि विराट ने सीमित ओवर के क्रिकेट में बल्लेबाजी की एक नई ही परिभाषा ही विकसित कर दी। उनके जैसा बल्लेबाज कभी-कभी ही होता है। कोहली के अलावा उन्होंने रोहित शर्मा को भी सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शामिल किया है। वॉ ने कहा, 'विराट और रोहित दो महानतम खिलाड़ी हैं। विराट एकदिवसीय का सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं। आप उन्हें हर जगह खेलते देखना चाहते हैं पर हर मैच खेलना संभव नहीं है।' वॉ ने आगे कहा, इन सर्वकालिक महान खिलाड़ियों को खेलते हुए देखना हमेशा ही काफी सुखद होता है। विराट कोहली जैसा खिलाड़ी तो किसी पीढ़ी में एक बार पैदा होने वाला खिलाड़ी है। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें खेलते हुए देखना सभी ।

विराट एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 2008 में डेब्यू करने वाले कोहली के नाम अब तक 305 एकदिवसीय मैचों में 14,255 रन दर्ज हैं, जिनमें 51 शतक शामिल हैं। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को जीत दिलाने में कोई उनका सानी नहीं है। एकदिवसीय के इतिहास में 8 हजार से लेकर 14 हजार रन तक सबसे तेजी से बनाने के रिकॉर्ड उनके ही नाम हैं। वहीं सचिन टेस्ट ओर एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 18 हजार से अधिक रन हैं।

ECB ने काउंटी चैंपियनशिप में कूकाबुरा गेंद का प्रयोग किया समाप्त

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने काउंटी निदेशकों और पेशेवर खेल समिति से मिली प्रतिक्रिया के बाद, 2026 सीजन से काउंटी चैंपियनशिप में कूकाबुरा गेंदों के इस्तेमाल को समाप्त करने का फैसला किया है। काउंटी क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए तीन साल पहले शुरू किया गया यह परीक्षण, अधिकांश मैचों में बिना किसी घटना के होने के कारण असफल माना गया है। इस सीजन में सरे और डरहम के बीच ओवल में खेला गया मैच, जहां मेजबान टीम ने 9 विकेट पर 820 रन बनाकर पारी घोषित की, इसका एक उदाहरण है। कूकाबुरा गेंद का इस्तेमाल पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के मैचों के लिए किया गया था, जिसे 2024 और 2025 में चार-चार राउंड तक बढ़ा दिया गया।

पाकिस्तानी क्रिकेटर आजम खान ने माना, भारतीय टीम के सामने कहीं नहीं टिकता पाक

नई दिल्ली । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के बाद अब पाकिस्तान के ही एक क्रिकेटर आजम खान ने भी माना है कि पाक टीम भारत के सामने कहीं नहीं ठहरती। सूर्या ने एशिया कप के दौरान पाकिस्तान को चिर-प्रतिद्वंद्वी बताए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि भारतीय टीम ने हमेश उसे हराया है। ऐसे में वह प्रतिद्वंद्वी कैसे हुई ? इसलिए इस प्रकार की बातें नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि टक्कर जैसी कोई बात भी तो होनी चाहिए। पाकिस्तान अब टक्कर तक नहीं दे पाता। विकेटकीपर बल्लेबाज आजम ने माना है कि भारतीय कप्तान ने सही बात कही है। दोनो टीमों में अब बराबरी का मुकाबला नहीं होता। आजम ने हालांकि जिस प्रकार से से बात स्वीकार की है। उससे उनका करियर तक मुश्किल में पड़ सकता है। इससे पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी उनसे नाराज हो सकते हैं। नकवी एशिया कप के बाद से ही भारतीय टीम से खार खाये बैठे हैं। यहां तक कि एशिया कप ट्रॉफी पर भी उन्होंने कब्जा कर रखा है। आजम ने कहा कि भारत-पाकिस्तान में अब टक्कर जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, अगर आप आईसीसी टूर्नामेंट्स को देखेंगे तो मुझे लगता है कि मुझे नहीं पता कि मुझे ये कहना चाहिए या नहीं, लेकिन यही सही है। आजम ने पाकिस्तान के लिए 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। वह आखिरी बार पाकिस्तान के लिए टी20 वर्ल्ड कप में खेलते हुए दिखे थे। उसके बाद से ही वह राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं। अब इस बयान के बाद उनकी पाक टीम में वापसी और भी कठिन हो जाएगा।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ताई जु यिंग ने बैडमिंटन से संन्यास लिया, सिंधू ने दी मार्मिक विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और चीनी ताइपे की महिला बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी ताई जु यिंग ने खेल से संन्यास ले लिया है जिसके साथ उनके शानदार करियर का अंत हो गया है, जिसमें उन्होंने 17 BWF विश्व टूर खिताब जीते और 12 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं। अपनी कलात्मकता और कलाई के जादू के लिए मशहूर 31 वर्षीय शटलर ने कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें संन्यास का फैसला करना पड़ा। उन्होंने अपना आखिरी बीडब्ल्यूएफ खिताब 2024 में इंडिया ओपन में जीता था।

ताई जु ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, 'एक खूबसूरत अध्याय समाप्त हो गया है। बैडमिंटन, आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए आभार।' उन्होंने कहा, 'आखिरकार मेरी चोटों ने मुझे कोर्ट छोड़ने पर मजबूर कर दिया। मैं अपने करियर का अंत उस तरह नहीं कर पाई जैसा मैंने सोचा था और मुझे यह बात स्वीकार करने में थोड़ा समय लगा।'

दक्षिणी ताइवान के शहर काऊशुंग में जन्मी ताई जु पिछले साल से चोटों से जूझ रही थी और अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर वापसी नहीं कर पाई। विश्व चैंपियनशिप दो बार की पदक विजेता ने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान कुछ समय शांति के साथ बिताने पर है। उन्होंने लिखा, 'मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मैं आगे क्या करूंगी, लेकिन फिलहाल मैं अलार्म घड़ियों के बिना जीवन का आनंद लेने जा रही हूं।'

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने ताई जु को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर एक मार्मिक संदेश लिखा। सिंधू ने कहा, 'पंद्रह वर्षों से अधिक समय तक आप मेरी ऐसी प्रतिद्वंद्वी रही जिन्होंने मुझे हर बार मेरी सीमा तक धकेला। मेरे जीवन के दो सबसे महत्वपूर्ण पदक रियो 2016 ओलंपिक में रजत और 2019 विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण मैंने आपके साथ उन मैराथन और सांस थाम देने वाले मुकाबलों के बाद हासिल किए।'

उन्होंने कहा, 'रियो में हमारे बीच प्री-क्वार्टर फाइनल में मुकाबला हुआ था और बासेल में क्वार्टर फाइनल में। इन दोनों अवसरों पर मुझे हमेशा की तरह कड़ी मेहनत करनी पड़ी। और हां, आपने 2021 में मुझे सेमीफाइनल में हरा दिया था और यही नहीं मुझे एशियाई खेलों में मुझे स्वर्ण पदक जीतने से रोक दिया था। इन पलों को याद करके मैं आज भी मुस्कुरा जाती हूं।'

सिंधू ने लिखा, 'मैं इस बात नहीं छिपाऊंगी, मुझे आपके साथ खेलना बिल्कुल पसंद नहीं था। आपकी कलाई की कला, आपका चालाकी भरा खेल, आपकी शांत प्रतिभा ने मुझे उससे भी ज़्यादा गहराई तक जाने के लिए प्रेरित किया, जितना मैंने कभी सोचा भी नहीं था। आपका सामना करने से एक खिलाड़ी के रूप में मैं बदल गई।'

भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'लेकिन प्रतिद्वंद्विता से परे हमारे बीच अच्छी दोस्ती और एक दूसरे के प्रति सम्मान था। आपके संन्यास लेने से ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने सफर का एक हिस्सा को दिया हो। खेल को और मुझे आपके जादू की कमी खलेगी। मुझे अब यह एहसास होने लगा है कि मेरी पीढ़ी के खिलाड़ी धीरे-धीरे खेल को अलविदा कहने लगे हैं और कोई भी चीज आपको इसके लिए तैयार नहीं करती।'

संक्षिप्त समाचार

वेनेजुएला पर हमला करने से रोकने के लिए विधेयक पर मतदान

काराकास, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण मतदान हुआ, जिसमें ऐसा विधेयक पेश किया गया, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई करने की शक्ति को सीमित करेगा। डेमोक्रेटिक सांसदों ने कांग्रेस से आग्रह किया है कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ चल रही अभियान में अधिक सशक्त भूमिका निभाए। शीर्ष रिपब्लिकनों सहित सांसदों ने मांग की है कि ट्रम्प प्रशासन उन्हें कैरिबियन और पूर्वी प्रशांत महासागर में कथित नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले जहाजों के खिलाफ अमेरिकी सैन्य हमलों के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करे। गुरुवार का यह मतदान वास्तव में ट्रंप प्रशासन की वेनेजुएला की जमीन पर संभावित सैन्य कार्रवाई को रोकने का प्रयास है, जिसके लिए पहले कांग्रेस की अनुमति अनिवार्य होगी। यह कदम इस बात की परीक्षा है कि क्या रिपब्लिकन सीनेटर ट्रंप प्रशासन को क्षेत्र में नौसैनिक बलों की तैनाती जारी रखने की अनुमति देंगे या नहीं? हालांकि इस विधेयक के पारित होने की संभावना बहुत कम है, क्योंकि इसे राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर की आवश्यकता होगी, फिर भी यह सांसदों को ट्रंप के वेनेजुएला पर सार्वजनिक हमले की धमकियों को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर देता है।

अमेरिका ने ड्रग तस्करी के आरोप में एक और नाव पर किया हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने गुरुवार को बताया कि अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में एक नाव पर घातक हमला किया, जिसे नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल बताया गया है। इस हमले में नाव पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई। हेगसेथ ने बताया कि यह हमला ट्रंप प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान का 17वां हमला है। इस अभियान में अब तक कम से कम 69 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस हमले का 20 सेकंड का वीडियो साझा किया और लिखा, 'जैसा हमने कहा है, नशा बेचने वाले आतंकियों पर नाव हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक अमेरिकी लोगों को जहर देने का यह सिलसिला खत्म नहीं होता।' रक्षा मंत्री ने दावा किया कि जिस नाव पर हमला किया गया, वह एक नामित आतंकवादी संगठन की तरफ से चलाई जा रही थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हमलों का बचाव करते हुए कहा है कि अमेरिका ड्रग कार्टेल्स के साथ सशस्त्र संघर्ष में है। हालांकि, प्रशासन ने अब तक इन दावों के समर्थन में कोई सबूत या अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की है।

बोलीविया की पूर्व राष्ट्रपति जेल से रिहा

सुक्रे, एजेंसी। बोलीविया की पूर्व अंतरिम राष्ट्रपति जीनिन एनेज गुरुवार (06 नवंबर) को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जेल से रिहा हो गईं। कोर्ट ने उनकी 10 साल की सजा रद्द कर दी है। ला पाज शहर के मिराफ्लोरेस महिला जेल से बाहर निकलते हुए एनेज ने मुस्कुराए और बोलीविया का झंडा लहराया। इसी के साथ भगे हुए गले से उन्होंने कहा, 'मैंने अपने देश को वह सब कुछ दिया जो मुझे देना था। यह बहुत दर्दनाक रहा है। उन्होंने मेरे साथ एक असली अपराधी जैसा व्यवहार किया।' बता दें कि एनेज चार साल से ज्यादा समय से जेल में थीं। उन्हें मार्च 2021 में गिरफ्तार किया गया था और जून 2022 में दोषी ठहराया गया था। जो कि 2019 के घातक विरोध प्रदर्शनों के बाद एक विवादास्पद नेशनल असेंबली सत्र में राष्ट्रपति पद संभालने में उनकी भूमिका के लिए था, जिसके कारण तत्कालीन राष्ट्रपति इवो मोरालेस (2006–2019) को इस्तीफा देना पड़ा।

ट्रंप प्रशासन को नवंबर में एसएनएपी खाद्य सहायता पूरी तरह देने का आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रोड आइलैंड राज्य में एक संघीय न्यायाधीश ने गुरुवार को ट्रंप प्रशासन को आदेश दिया कि वह नवंबर महीने के लिए एसएनएपी यानी खाद्य सहायता कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को पूरी राशि मुहैया कराए। अमेरिकी जिला न्यायाधीश जॉन जे. मैककोनेल जूनियर ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन को शुक्रवार तक इन भुगतानों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 4.2 करोड़ अमेरिकियों यानी हर 8 में से 1 व्यक्ति को यह राशि अपने डेबिट कार्ड्स पर इतनी जल्दी नहीं मिलेगी, जिनका उपयोग वे किराना खरीदने में करते हैं। यह आदेश उन शहरों और गैर-लाभकारी संगठनों की याचिकाओं के बाद आया जिन्होंने सरकार के इस फैसले को चुनौती दी थी कि वह केवल 65 प्रतिशत लाभ ही देगी। इस निर्णय के कारण कुछ जरूरतमंदों को इस महीने कोई सहायता नहीं मिलती। मैककोनेल उन दो संघीय न्यायाधीशों में से एक हैं जिन्होंने पिछले हफ्ते फैसला दिया था कि संघीय शटडाउन के कारण ट्रंप प्रशासन नवंबर के खाद्य लाभों को पूरी तरह रोक नहीं सकता।

सूडान में दो साल बाद आरएसएफ-एसएएफ युद्धविराम पर सहमत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में दो साल से जारी खूनी संघर्ष के बीच अब शांति की किरण नजर आ रही है। देश की अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने कहा है कि वह अमेरिका के प्रस्ताव पर सूडानी सेना (एसएएफ) के साथ युद्धविराम के लिए तैयार है। एक समाचार एजेंसी के अनुसार, आरएसएफ ने गुरुवार को कहा कि वह अमेरिका, सऊदी अरब, मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात की अगुवाई वाले 'क्वाड' समूह की तरफ से सुझाए गए मानवीय युद्धविराम को स्वीकार करने को तैयार है। इस युद्धविराम का उद्देश्य युद्ध से बिगड़ते मानवीय हालात को संभालना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हालांकि, इस घोषणा पर सूडान की नियमित सेना की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

समझौते के बिंदुओं पर काम जारी : अमेरिका के अरब और अफ्रीकी मामलों के वरिष्ठ सलाहकार मसाद बुलोस ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिशें चल रही हैं और उन्होंने सिद्धांत रूप में सहमति दे दी है। बुलोस के मुताबिक, 'किसी भी पक्ष ने शुरुआत में आपत्ति नहीं जताई है। अब हम समझौते के अहम बिंदुओं पर काम कर रहे हैं।'

सेना प्रमुख का तीखा बयान : इसी बीच, सेना प्रमुख अब्देल फतह अल-बुरहान ने गुरुवार को अपने संबोधन में कहा कि उनकी सेना दुश्मन की हार के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा, 'जल्द ही हम उन लोगों का बदला लेंगे जिन्हें मार दिया गया या जिन पर अत्याचार हुआ... उन सभी इलाकों में जहां विद्रोहियों ने हमला किया।'

आरएसएफ पर अल-फाशर में जनसंहार के आरोप : यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब आरएसएफ पर उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी अल-फाशर पर कब्जे के दौरान जनसंहार के आरोप लगे हैं। 26 अक्तूबर को शहर पर नियंत्रण पाने से पहले आरएसएफ ने करीब 18 महीने तक घेराबंदी की थी। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, आरएसएफ के कब्जे के बाद से 70000 से अधिक लोग अल-फाशर और उसके आसपास के इलाकों से पलायन कर चुके हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और मानवाधिकार संगठनों ने बताया है कि शहर में सामूहिक हत्याएं, दुष्कर्म और अत्याचार हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी बताया था कि आरएसएफ के कब्जे के दौरान एक बच्चों के अस्पताल में 460 से अधिक मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हुई।

आरएसएफ-एसएएफ पर युद्ध अपराधों के आरोप : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने सितंबर में जारी अपनी रिपोर्ट में आरएसएफ और एसएएफ दोनों को युद्ध अपराधों का जिम्मेदार ठहराया था। इसमें कहा गया कि दोनों पक्षों ने नागरिकों पर हमले, हत्याएं और यौन हिंसा जैसे गंभीर अपराध किए हैं। वर्तमान में आरएसएफ का नियंत्रण सूडान के पश्चिमी दारफुर और दक्षिणी हिस्सों पर है, जबकि सेना उत्तर, पूर्व और नील नदी व लाल सागर के आसपास के इलाकों में मजबूत है।

रूस में मेडिकल की पढ़ाई करने गए भारतीय छात्र की मौत, नदी के किनारे मिला शव, जांच की मांग

मास्को, एजेंसी। रूस के उफा शहर में 19 दिन पहले लापता हुए भारतीय छात्र अजीत सिंह चौधरी का शव बरामद हुआ है। वह राजस्थान के अलवर जिले में लक्ष्मणगढ़ के कफनवाड़ा गांव का रहने वाला था। अजीत ने 2023 में बैशकिर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस कोर्स में दाखिला लिया था। वह इस साल 19 अक्टूबर को उफा में लापता हो गया था। छात्र सुबह करीब 11 बजे दूध खरीदने की बात कहकर हॉस्टल से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। अलवर सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सांगवान ने बताया कि अजीत चौधरी का शव व्हाइट नदी के किनारे बने बांध में मिला। रूस में भारतीय दूतावास की ओर से तत्काल कोई बयान नहीं आया है, लेकिन गुरुवार को चौधरी के परिवार को उसकी मौत की सूचना दे दी गई। 22 वर्षीय लड़के के लापता होने की खबर सुनकर परिवार बेहद परेशान था। घरवाले उनकी सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास और प्रार्थना कर रहे थे। नदी किनारे कपड़े और मोबाइल मिला पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह अलवर ने कहा कि 19 दिन पहले नदी किनारे पर छात्र के कपड़े, मोबाइल फोन और जूते मिले थे। उन्होंने आरोप लगाया कि लड़के के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में कोई अनहोनी घटना हुई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'अजीत को परिवार ने बड़ी उम्मीदों और अपनी गाढ़ी कमाई जुटाकर मेडिकल पढ़ाई के लिए रूस भेजा था। नदी में उसका शव मिलने की खबर बेहद झकझोर देने वाली है। परिवार के लिए यह अत्यंत दुखद क्षण है। हमने एक होनहार युवा को खो दिया।' शव भारत लाने में मदद करने की अपील कांग्रेस नेता ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से छात्र का शव भारत लाने में मदद करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'लड़के के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में अनहोनी हुई है। इसकी पूरी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। परिवार को अब आपके दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।' ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन की फॉरेन मेडिकल स्टूडेंट्स विंग ने भी इस मामले में जयशंकर से संपर्क किया है। कहा गया, 'यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे अजीत के दोस्तों ने शव की पहचान की पुष्टि की है।' यूनिवर्सिटी का अब तक कोई बयान नहीं आया है।

शंघाई में भारतीय दूत ने स्वर्ण मंदिर के रागी का सम्मान किया

शंघाई , एजेंसी। शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के काउंसलर जनरल प्रतीक माथुर ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से आए रागी भाई मनिंदर सिंह जी से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। यह मुलाकात गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के शुभ अवसर पर हुई। दूतावास ने बताया कि मुलाकात के दौरान गुरु जी के संदेश एक ओंकार, समानता, ईमानदार जीवन और मानवता की सेवा पर विचार साझा किए गए। रागी भाई मनिंदर सिंह जी गुरु ग्रंथ साहिब के कीर्तन और भक्ति संगीत के प्रसिद्ध प्रस्तुतकर्ता हैं। माथुर ने उनके शंघाई आने के लिए आभार जताया।

नॉर्थ कैरोलिना की शार्लोट में फिर चुनी गईं डेमोक्रेटिक मेयर लाइल्स, अपराध के बावजूद जनता ने दिखाया भरोसा

वाशिंगटन , एजेंसी। नॉर्थ अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के सबसे बड़े शहर शार्लोट में मतदाताओं ने एक बार फिर डेमोक्रेटिक पार्टी की मेयर वाय लाइल्स को चुना है। शहर में बढ़ती अपराध घटनाओं और सुरक्षा चिंताओं के बावजूद उन्होंने रिपब्लिकन और लिबर्टेरियन उम्मीदवारों को आसानी से हराया। लाइल्स ने जीत के बाद कहा कि मैं उन सभी मतदाताओं की बेहद आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे एक बार फिर शहर की सेवा करने का मौका दिया। बता दें कि शार्लोट में डेमोक्रेट मतदाता रिपब्लिकनों से दो गुना ज्यादा हैं। 9 लाख से अधिक आबादी वाले इस शहर में 12 सदस्यीय सिटी काउंसिल में दस सीटें भी डेमोक्रेट्स के पास हैं, जिससे पार्टी की पकड़ और मजबूत हो गई है। यह चुनाव उस समय हुआ जब अगस्त में 23 वर्षीय यूक्रेनी युवती इरीना जारुत्स्का की ट्रेन में चाकू से हत्या ने पूरे शहर को हिला दिया था।

पीओके में पाकिस्तान के विरुद्ध सड़कों पर जेन-जी, प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर फायरिंग से बढ़ा बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में एक बार फिर शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन भड़क उठा है। नेपाल की तरह ही अब पीओके में भी आंदोलन की कमान जेन-जी ने संभाल ली है। हालांकि, शुरू में छात्रों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन शिक्षा सुधार और फीस कटौती पर केंद्रित था लेकिन उनकी मांगों को सुनने के बजाय सेना-पुलिस की मदद से उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की गई तो हालात बेकाबू हो गए। सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं जिसमें मुजफ्फराबाद के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी सड़कों पर उतरे छात्रों को नारेबाजी, तोड़फोड़ करते और टायर आदि जलाते देखा जा सकता है। शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन में बदले विरोध-प्रदर्शन को

पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में युवा पीढ़ी के बीच गहराते असंतोष के तौर पर देखा जा रहा है। कई सोशल मीडिया पोस्ट में यह भी कहा जा रहा है कि नेपाल के बाद अब पीओके में जेन-जी के आंदोलन ने पाकिस्तान की सरकार और सेना के लिए हालात मुश्किल बना दिए हैं।

गोलीबारी के बाद आंदोलन ने पकड़ा जोर : प्रदर्शन मुजफ्फराबाद की एक प्रमुख यूनिवर्सिटी में भारी-भरकम फीस और सुविधाओं के अभाव पर विरोध जताने के लिए शुरू हुआ था। प्रदर्शन शांतिपूर्ण जारी था लेकिन प्रशासन ने यूनिवर्सिटी में सभी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगा दी। स्थिति तब बिगड़ गई जब एक अज्ञात बंदूकधारी ने छात्रों के एक समूह पर गोली चलाई।

पिछली बार प्रदर्शन के दौरान हिंसा में गई थीं कई जानें : एक महीने पहले भी पीओके में इसी तरह अशांति हुई थी। कर राहत, आटे और बिजली पर सब्सिडी और विकास परियोजनाओं को पूरा करने सहित 30 मांगों को लेकर शुरू हुए इस आंदोलन के दौरान पुलिस फायरिंग में 12 से ज्यादा नागरिक मारे गए थे।

ब्रिटेन की जेलों से हर सप्ताह कई कैदियों की गलती से हुई रिहाई

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में हर सप्ताह कई कैदियों को गलती से जेल से रिहा कर दिया जाता है। इस सप्ताह दो और मामले सामने आए हैं। इनमें एक अल्जीरियाई नागरिक भी शामिल है जो यौन ऑफेंडर्स रजिस्टर में है। ब्रिटेन के न्याय विभाग की मंत्री एलेक्स डेविस जोन्स ने कहा कि जेल प्रणाली पूरी तरह अव्यवस्थित है। सरकार पहले से अधिक विदेशी कैदियों को देश से बाहर भेज रही है और अब उन्हें सजा सुनाए जाने के तुरंत बाद ही देश से निकाले जाने की योजना है, बजाय इसके कि वे ब्रिटिश जेलों में सजा काटें। देश में कैदियों की संख्या पिछले 30 वर्षों में दोगुनी हो चुकी है। सरकार के अनुसार मार्च 2025 तक के 12 महीनों में 262 कैदी गलती से रिहा हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं और लगातार चौथे वर्ष बढ़ोतरी दर्ज हुई है। यह मुद्दा तब उजागर हुआ जब हाल ही में एक इथियोपियाई प्रवासी और यौन अपराधी हदुश गेरबरस्लासी केबातु को गलती से रिहा कर दिया गया।

दक्षिण कोरिया के बंद पड़े बिजली संयंत्र में ढांचा गिरने से 1 व्यक्ति की मौत, 6 अन्य फंसे : उल्सान , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के उल्सान शहर में बंद पड़े एक ताप विद्युत संयंत्र में तोड़फोड़ के दौरान 60 मीटर ऊंचा एक टावर गिर गया, जिससे कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य मलबे में दब गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अन्य व्यक्ति के भी मारे जाने की आशंका है। गुरुवार दोपहर टावर गिरने की सूचना मिलने के तुरंत बाद बचावकर्मियों ने दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। उल्सान के अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी किम जियोंग-शिक ने बताया कि बाद में बचाए गए एक अन्य कर्मचारी की शुक्रवार तड़के एक अस्पताल में मौत हो गई।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर दागी बैलिस्टिक मिसाइल- दक्षिण कोरिया : प्योंगयांग , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना का कहना है कि उत्तर कोरिया ने उसके पूर्वी जलक्षेत्र की ओर कम से कम एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने शुक्रवार को तुरंत कोई अन्य विवरण जारी नहीं किया। यह स्पष्ट नहीं था कि यह किस प्रकार का बैलिस्टिक हथियार था या इसकी उड़ान कितनी दूर तक गई।

मेयर चुनाव जीतने के बाद सोमोस में बोले ममदानी- न्यूयॉर्क की कहानी, प्यूर्टो रिको के बिना अधूरी

सैन जुआन , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने चुनाव जीतने के बाद गुरुवार को प्यूर्टो रिको का दौरा किया, जहां हर साल न्यूयॉर्क के राजनेता और लॉबिस्ट जमा होते हैं। यह वार्षिक सम्मेलन 'सोमोस' के नाम से जाना जाता है और राजनीतिक रणनीति, चर्चाओं और मेलजोल का केंद्र माना जाता है।

मैं सोमोस में आकर बहुत खुश हूं- ममदानी : समुद्र तट पर आयोजित स्वागत समारोह में जोहरान ममदानी का जोरदार स्वागत किया गया। वहां मौजूद भीड़ ने तालियों बजाकर उनका स्वागत किया, और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स ने मंच से सबको 'ममदानी, वो-ओ-ओ-ओ' गीत गाने के लिए प्रेरित किया, पुराना मशहूर गीत 'वोलेरे' की धुन पर। जोहरान ममदानी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं सोमोस में आकर बहुत खुश हूं। न्यूयॉर्क सिटी की कहानी आप प्यूर्टो रिको की कहानी के बिना नहीं बता सकते।' उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने यहां का पारंपरिक पकवान 'मोफोंगो' खाया और उसकी तारीफ की।

सम्मेलन में कई विषयों पर रखे गए कार्यक्रम : इस सम्मेलन के दौरान 'राइजिंग कम्युनिटीज के जरिए वर्कफोर्स डेवलपमेंट' और 'ह्यूमन सर्विसेज का जश्न' जैसे

विषयों पर कार्यक्रम रखे गए हैं। इसके अलावा कई विधायी कार्यशालाएं भी होंगी। आमतौर पर यह सम्मेलन चुनाव के बाद नेताओं के लिए आराम, बातचीत और नेटवर्किंग का मौका होता है। जोहरान ममदानी, जो सिर्फ 34 वर्ष के हैं, ने हाल ही में अपनी ट्रांजिशन टीम की घोषणा की है। इस टीम में अनुभवी अधिकारी शामिल हैं जो उन्हें सिटी हॉल संभालने और उनकी 'अफोर्डेबिलिटी एजेंडा' को लागू करने में मदद करेंगे।

न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर से ममदानी ने की बातचीत : प्यूर्टो रिको पहुंचने से पहले जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर एरिक एडम्स से फोन पर बात की। एरिक एडम्स ने उन्हें पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। हालांकि एडम्स खुद इस सम्मेलन में शामिल नहीं हुए। जोहरान ममदानी ने मंगलवार को हुए चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन प्रत्याशी कर्टिस स्लिवा को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। जानकारी के अनुसार, ममदानी शनिवार को न्यूयॉर्क लौटेंगे।

अमेरिका में डेमोक्रेट्स की जीत का ओबामा ने मनाया जश्न, बोले- मतदाता अब ट्रंप का एजेंडा नकार रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हालिया चुनावों को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी में जश्न का माहौल है। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा गुरुवार को वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम में अप्रत्याशित रूप से भाग लेते हुए नजर आए। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिकी वोटर्स अब ट्रंप के एजेंडे को खारिज कर रहे हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि डेमोक्रेट्स के बीच जारी मतभेदों को दूर किया जा सकता है।

ओबामा ने पॉड सेव अमेरिका नाम के पॉडकास्ट के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'हमारा मंगलवार बहुत अच्छा रहा।' उनके ये बोलते ही भीड़ ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'यह एक अच्छा संकेत है कि अमेरिकी जनता ध्यान दे रही है। वे निर्दयता नहीं चाहते। वे ऐसे लोगों को नहीं देखना चाहते जो सत्ता में बने रहने के लिए हरसंभव कोशिश करते हैं। ' न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर और खुद को समाजवादी कहने वाले जोहरान ममदानी और वर्जीनिया और न्यू जर्सी के गवर्नर चुनावों में क्रमशः डेमोक्रेट्स एबिगेल स्पैनबर्गर और मिकी शेरिल की जीत हुई थी। इसके बाद से ही यह चर्चा तेज हो गई है कि 2026 के मध्यावधि चुनावों की तैयारी के दौरान पार्टी अपने प्रगतिशील और मध्यमार्गी गुटों के बीच मतभेदों को कैसे सुलझाएगी। एसोसिएटेड प्रेस के वोटर पोल, जिसमें न्यूयॉर्क सिटी, वर्जीनिया, न्यू जर्सी और कैलिफोर्निया के 17,000 से अधिक मतदाताओं से राय ली गई है, के मुताबिक अधिकांश मतदाताओं ने तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रदर्शन को अस्वीकार किया और माना कि उनकी कठोर आव्रजन नीति हद पार कर गई। पॉडकास्ट में क्या बोले ओबामा? ओबामा ने स्वीकार किया कि डेमोक्रेटिक पार्टी में अभी काफी काम किया जाना बाकी है, लेकिन कहा कि पार्टी के अलग-अलग गुट

एक-दूसरे के साथ चल रहे हैं न कि किसी दिखावे या बनावटी तरीके से। डेमोक्रेटिक पार्टी के समाजवादी नेता और ममदानी के समर्थक सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि डेमोक्रेट्स के बीच मतभेद हैं, लेकिन उन्हें दूर किया जा सकता है। ओबामा ने कहा, 'हम स्वीकार करते हैं कि हमारे बीच मतभेद हैं। हां, कुछ लड़ाइयां लड़ी जाएंगी, लेकिन भीतर कहीं हमारे पास एक साझा मूल है जो असाधारण है।

अमेरिका में उड़ानें रद्द होने की संख्या में आई तेजी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एयरलाइनों ने गुरुवार को सैकड़ों उड़ानें रद्द करना शुरू कर दिया है। क्योंकि संघीय विमानन प्रशासन ने शुक्रवार से देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर यातायात कम करने का आदेश दिया है। उड़ान व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, शुक्रवार के लिए निर्धारित करीब 500 उड़ानों में पहले ही कटौती कर दी गई थी, गुरुवार दोपहर तक रद्दीकरण की संख्या में लगातार वृद्धि हुई।

अमेरिका के 40 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर उड़ानों में कटौती करने के एफएए के आदेश में न्यूयॉर्क, लॉस एंजिल्स और शिकागो शामिल हैं, लेकिन इसका प्रभाव कई छोटे हवाई अड्डों पर भी यात्रा को बाधित करेगा। एफएए यात्रा सुरक्षा बनाए रखने के लिए 'उच्च-मात्रा' वाले बाजारों में सेवाओं में 10 प्रतिशत की कटौती करना चाहता है, क्योंकि हवाई यातायात नियंत्रकों पर शटडाउन के दौरान दबाव के संकेत दिखाई दे रहे हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब ट्रंप प्रशासन कांग्रेस में डेमोक्रेट्स पर शटडाउन समाप्त करने के लिए दबाव बढ़ा रहा है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लव जैन द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर 400/12, जैकबपुरा, न्यू रेलवे रोड, अपोजिट वर्मा (ईएनटी) से प्रकाशित किया, संपादक लव जैन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का निपटारा गुड़गांव न्यायालय में होगा।